mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-215 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
05 अगस्त 2026
बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

'लज्जा भंग' या 'बेबस महिला' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर रोक रेप केस की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस

125 फैसलों का विश्लेषण करने के बाद तैयार की गई रिपोर्ट

जजमेंट्स एंड जेंडर : सेंसिटिविटी एंड कम्पैशन इन राइटिंग जजमेंट्स (फैसले और जेंडर : फैसले लिखने में संवेदनशीलता और सहानुभूति) नाम की यह रिपोर्ट राज्य की न्यायिक अकादमियों की मदद से देश भर की ट्रायल कोर्ट के 125 फैसलों का विश्लेषण करने के बाद तैयार की गई थी।

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि यौन अपराधों से जुड़े फैसलों में ज्यादा संवेदनशीलता और पीड़ित पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।रिपोर्ट में कहा गया है कि जजों को प्रोसिक्यूट्रिक्स (शिकायतकर्ता महिला), बेबस महिला, पवित्रता खो दी और लज्जा भंग की जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इसके बजाय अदालतों को विक्टिम (पीड़ित), सर्वाइवर, कंप्लेनेंट, बॉडीली ऑटोनॉमी (शरीर पर अपना अधिकार) और सेक्सुअल असॉल्ट (यौन हमला) जैसे न्यूट्रल शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। यह बात सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट में कही गई है।

'संवेदनशील भाषा का इस्तेमाल जरूरी'

इसमें पाया गया कि पीड़ितों, गवाहों और दूसरे कमजोर वर्गों के साथ जजों के व्यवहार में मिली-जुली स्थिति देखने को मिली। पैनल ने कहा कि निष्पक्षता, सम्मान और तटस्थता सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील न्यायिक भाषा का इस्तेमाल जरूरी है और इस बात पर जोर दिया कि जजों को रूढ़िवादी या पीड़ित को दोषी ठहराने वाले सवाल पूछने से बचना चाहिए। पैनल ने यह भी कहा कि पीड़ितों को आरोपी के साथ बातचीत करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट में इस बात पर चिंता जताई गई है कि बेहोश महिलाओं से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामलों में न्यायिक रवैये ने अक्सर बलात्कार से जुड़े मिथकों को बढ़ावा दिया है। इसमें आरोपी के आचरण पर ध्यान देने के बजाय पीड़ितों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए गए हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी भाषा पीड़ितों को फिर से सदमे में डाल सकती है और न्याय को बढ़ावा देने के बजाय सामाजिक भेदभाव को और बढ़ा सकती है। साथ ही रिपोर्ट में अदालत की स्पष्ट नीतियों, आसानी से उपलब्ध सहायता प्रणालियों, कलंक को कम करने के लिए जन-जागरूकता अभियानों और लिंग-आधारित व नैतिक टिप्पणियों पर सख्त रोक लगाने की मांग की गई है। समिति ने फैसलों में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले कई वाक्यांशों को बदलने का भी प्रस्ताव दिया। उदाहरण के लिए इसमें महिलाओं के शरीर को खेल का मैदान कहने के बजाय शिकायतकर्ता या पीड़ित की शारीरिक स्वायत्तता का उल्लंघन और पीड़ित बनाना, आत्मा का विनाश जैसे वाक्यांशों के बजाय सर्वाइवर को नुकसान या ट्रॉमा का अनुभव हुआ जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई।

और कौन से शब्दों का इस्तेमाल न करने की दी गई सलाह

इसमें कहा गया है कि अदालतों को बेचारी बेबस नाबालिग लड़की, (आरोपी) हवस से प्रेरित, अपनी नाजायज हवस पूरी करना, उसका बचपन बर्बाद करना, जिंदगी तबाह करना और पूरी जिंदगी परेशान करना जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने से भी बचना चाहिए।रिपोर्ट में कहा गया है कि सम्मान, शर्म, पवित्रता, संकोच और शुद्धता जैसे शब्द पितृसत्तात्मक सोच से जुड़े हैं, जो महिला की कीमत को उसकी यौन पवित्रता या परिवार की प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं।

दावा: खामेनेई के बेटे ने ईरानी राष्ट्रपति की ताकत घटाई

सुप्रीम लीडर के कंट्रोल वाली इस्लामिक फोर्स ज्यादा पॉवरफुल ,अमेरिका से बातचीत भी आईआरजीसी चीफ करेंगे

तेहरान,एजेंसी। ईरान में राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के अधिकारों में बड़ी कटौती की खबर सामने आई है। इजराइली चैनल-14 की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े अहम मामलों में राष्ट्रपति की भूमिका सीमित कर दी है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका से बातचीत जैसे बड़े मुद्दों पर अब IRGC कमांडर अहमद वाहिदी का फैसला अंतिम माना जाएगा। यानी इन मामलों में राष्ट्रपति की मंजूरी निर्णायक नहीं रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पजशकियान लंबे समय से शिकायत कर रहे थे कि उनकी सरकार को बड़े फैसलों से दूर रखा जा रहा है। उन्होंने पहले इस्तीफे की पेशकश भी की थी। अब दावा किया जा रहा है कि सुप्रीम लीडर ने साफ कर दिया है कि रणनीतिक फैसले सेना की सलाह के मुताबिक ही लिए जाएंगे।

हिजबुल्लाह चीफ बोले- ईरान की अमेरिका पर जीत हुई

हिजबुल्लाह चीफ नईम कासिम ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ हुए टकराव में ईरान की जीत हुई है। यह जानकारी हिजबुल्लाह समर्थक अल मयादीन नेटवर्क के हवाले से सामने आई है।नईम कासिम ने कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान इस टकराव में जीत हासिल कर चुका है। अब इस पर बहस की कोई गुंजाइश नहीं बची कि इस संघर्ष में कौन जीता।

मोहाली की युवती बोली- युवक ने धर्म परिवर्तन कराया

नशे में सिगरेट से प्राइवेट पार्ट दागे

मोहाली,एजेंसी। मोहाली में रहने वाली एक हिंदू युवती ने बिहार के एक मुस्लिम युवक पर शादी का झांसा देकर 5 वर्ष तक संबंध बनाने, शादी करने के बाद शारीरिक प्रताड़ना देने और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के आरोप लगाए हैं।युवती का आरोप है कि युवक नशे का आदी था। शादी के बाद वह उसके प्राइवेट पार्ट्स को सिगरेट से दागता था, जिसके निशान उसके अंगों पर अब तक मौजूद हैं। दोस्तों के सामने जलील करता, गालियां देता और मारपीट भी करता था।इतना ही नहीं, युवती का आरोप है कि सुहागरात के अगले दिन ही उसने जिंदगी बर्बाद करने की धमकी दी थी। जब आरोपी युवक उसे छोड़कर वापस बिहार भाग गया, तब उसने स्स्कऑफिस में पुलिस को शिकायत दी है। वहीं, जीरकपुर की ASP का कहना है कि अभी तक शिकायक उनके पास तक नहीं पहुंची है।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाए: युवती ने बताया- इसके साथ ही उसने कहा कि अगर तूने केस नहीं किया तो मैं तुझे अच्छे से रखूंगा। तुझसे शादी भी कर लूंगा।

बिहार-बंगाल में बिजली गिरने से 11 मौतें

- हरियाणा के अंबाला-झज्जर में सड़कें तालाब बनीं, दुकानों में पानी घुसा
- बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड, 200 यात्री फंसे

नई दिल्ली,एजेंसी। देशभर में बारिश से आम लोगों का जीवन भी प्रभावित है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सोमवार को बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में बिहार के अलग-अलग जिलों के 7 और बंगाल के हावड़ा के 4 लोग शामिल हैं।उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। सड़क पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात बाधित हो गया। इसके कारण करीब 200 यात्री फंस गए हैं, जो सोमवार रात 9 बजे से रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं।इधर, हरियाणा के अंबाला और झज्जर में रात भर बारिश हुई। इससे सड़कें तालाब बन गईं। दुकानों में पानी घुस गया।उत्तर प्रदेश के आगरा में रात 1 बजे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। बाराबंकी में दो घंटे की तेज बारिश से बस स्टेशन पर पानी भर गया।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में बिजली गिरने से 4 की मौत, 2 घायल:

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में सोमवार को अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हो गए। हादसे जगतबल्लवपुर, आमता और बगनान थाना क्षेत्रों में हुए।जगतबल्लवपुर में खेतों में काम कर रहे लोगों पर बिजली गिरने से 2 किसानों की मौके पर मौत हो गई और 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं आमता में तालाब पर हाथ-पैर धो रहे 35 साल के एक किसान की बिजली गिरने से मौत हो गई।
बगनान के कटापुकुर में खेत में काम कर रहे एक अन्य किसान की भी बिजली की चपेट में आने से जान चली गई। पुलिस ने सभी शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं।

संसद के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर प्रदर्शन

राज्यसभा में खड़गे बोले- ईडी और सीबीआई कहां हैं, रिजिजू ने कहा- विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा की कार्यवाही महज 3 मिनट चलने के बाद दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही करीब आधे घंटे हंगामे के बाद 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। इसके बाद कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट बाद ही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। ट्रस्ट को 70 एकड़ से ज्यादा जमीन सौंपी। पीएम खुद राम मंदिर से जुड़े हर आयोजन में शामिल हुए। अब ED, CBI और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां कहां हैं।सरकार को सदन में इसका जवाब देना चाहिए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सालों तक भगवान राम और राम मंदिर का विरोध करती रही हैं। राम मंदिर बनने पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया था। आज वही लोग घड़ियाली आंसू बहाकर देश को गुमराह नहीं कर सकते। पहले भगवान राम का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगिए, उसके बाद सरकार से जवाब मांगिए।

राम मंदिर चंदा चोरी पर सीएम योगी बोले-साधु-संत दोषी नहीं, विपक्ष का आचरण सनातन विरोधी

लखनऊ,एजेंसी। सदन से निकलकर सीएम योगी ने पत्रकारों से बातचीत में राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि मामले में एसआईटी गठित की गई। कैमरे में जो लोग दिखे उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जांच के बीच एससी ने एसआईटी के पुनर्गठन की बात कही। एसआईटी जांच में कोई भी साधु संत दोषी नहीं मिले। ऐसे में साधु संतों और 1100 कर्मचारियों पर आक्षेप लगाना बड़ी आश्चर्य की बात है। ये आरोप वो सपा और कांग्रेस लगा रही है, जिन्होंने सदैव रामजन्मभूमि और भगवान राम का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि एक समय में सपा ने पवित्र सरयू नदी को रक्तरंजित किया था। संसद के अंदर सपा और कांग्रेस के सांसदों द्वारा जो आक्षेप किए गए, वो सीधे सीधे सनातन का अपमान था। इनका आचरण सनातन विरोधी है। इस प्रकरण में जो लोग भी पकड़े गए हैं, उनका भाजपा और साधु संतों से कोई लेना देना नहीं है। इन लोगों ने सदैव राम मंदिर का विरोध किया। ये वही लोग हैं जो 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रण के बाद भी नहीं गए। आस्था की चर्चा वो लोग कर रहे हैं, जो लोग हिंदुओं और सनातन परंपरा को हमेशा कटघरे में खड़ा करते रहे हैं। ये लोग चर्चा से भागना चाह रहे हैं।

यूपी की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा विपक्ष

जब पीठ ने दूध का दूध, पानी का पानी करने की बात कही तो इन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। सपा और कांग्रेस का ऐसा आचरण सनातन का अपमान और 25 करोड़ जनता पर कुठाराघात है। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं, किसान अब सुसाइड नहीं कर रहा है। आज यूपी ने खुद को देश में टॉप थ्री इकोनॉमी में खड़ा किया है। जिन लोगों ने नौजवानों के हक पर डकैती डाली थी। आज वही सपा फिर देश के अंदर यूपी की छवि धमिल करने की कोशिश कर रही है। अध्यक्ष पीठ का अपमान और मार्शलों के साथ धक्कामुक्की करने की हम निंदा करते हैं। इन लोगों ने माहौल को खराब करने की कोशिश की। इनका आचरण सांविधानिक मूल्यों को तार तार करने वाला है। यूपी के धार्मिक पर्यटन को आगे बढ़ने से रोकने का कुत्सित प्रयास है। हम इसकी निंदा करते हैं।

पटना में छात्रों का प्रदर्शन वाटर कैनन पर डांस

सड़कों पर लेटे, उठाकर ले गई पुलिस, बैरिकेडिंग तोड़ी सीएम हाउस घेरने निकले थे

पटना,एजेंसी। पटना में छात्र पेपर लीक और रोजगार की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले हैं। इनकम टैक्स गोलंबर पर पुलिस और स्टूडेंट्स के बीच हल्की झड़प हुई। यहां पहुंचते ही छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने लगे।पुलिस ने यहां छात्रों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। स्टूडेंट्स वाटर कैनन पर डांस करने लगे। कुछ छात्र सड़क पर बैठ गए। पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें उठाकर वहां से हटाया।प्रदर्शन के दौरान NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी सड़क पर लेट गए। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम छात्रों के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिखाई दिए।इस प्रदर्शन में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों पर गोली चली क्या हुआ। कुछ नहीं किया गया। पीएम मोदी और अमित शाह का इस्तीफा होने तक लड़ाई जारी रहेगी।इससे पहले पुलिस ने सभी को जेपी गोलबंर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोका था। छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे।बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की गई पुलिस ने सभी छात्रों को समझाया, लेकिन वे पीछे नहीं हटे।

छात्र बोले- बेहतर भविष्य के लिए गोली खाने को तैयार हैं:प्रदर्शन में शामिल छात्र ने कहा कि मीडिया हमारी मांग नहीं उठाती है। छात्र जो सड़क पर खड़ा है, धूप में मर रहा है। न हम चेहरे से आतंकवादी है, न हरकतों से, न ही पेशे से। लेकिन फिर भी हमारी बात नहीं सुनी जा रही है।

जबकि अभी बांकीपुर उपचुनाव जीतने वाले प्रशांत किशोर ने सरकार पर कई आरोप लगाए हैं। हमारी कहां सुनवाई होगी बता दीजिए

तमिलनाडु के नेता विपक्ष उदयनिधि स्टालिन गिरफ्तार

एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप, बोले- बदले की भावना से कार्रवाई

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके खिलाफ 6 धाराओं में केस दर्ज किया है।गिरफ्तारी से बचने के लिए उदयनिधि ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, उस पर सुनवाई होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें अरेस्ट कर लिया।सोमवार को तंजावुर में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली में उदयनिधि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साध रहे थे।इसी दौरान भीड़ से 'तृषा, तृषा' के नारे लगे।आरोप है कि इस पर उन्होंने कहा, 'पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए।' बाद में उन्होंने सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था।हालांकि, विपक्षी दलों ने इस टिप्पणी को डबल मीनिंग और महिलाओं का अपमान करने वाली बताया। इसी आरोप के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।एफआईआर में उदयनिधि स्टालिन पर महिला की गरिमा का अपमान करने, जानबूझकर अपमान कर शांति भंग करने, अलग-अलग समूहों के बीच वैमनस्य फैलाने, आपराधिक साजिश रचने और आपराधिक धमकी देने जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व राज्यपाल और शिक्षाविद् डीवाई पाटिल का निधन

92 वर्ष की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

मुंबई,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डी वाई पाटिल का मंगलवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित उनके आवास पर लंबी बीमारी के कारण निधन हो गया। यह जानकारी परिवारिक सूत्रों के अनुसार है। उनकी उम्र 92 वर्ष थी।राज्य में कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना करने वाले इस अनुभवी नेता के परिवार में उनके बेटे, पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता सतेज पाटिल, संजय पाटिल और अजिंक्या पाटिल शामिल हैं।

मंत्रियों के बेटों को हनी-ट्रैप में फंसाना चाहता था जैश-ए-मोहम्मद: बंगाल एसटीएफ

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में जैश-ए-मोहम्मद की एक बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। स्पेशल टास्क फोर्स को जांच में पता चला है कि जैश ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के मंत्रियों के लिए हनी-ट्रैप का प्लान बना रखा था और इसके लिए बड़ी संख्या में महिलाओं की भर्ती किए जाने की योजना थी।

एक अधिकारी ने बताया कि इस मॉड्यूल का सबसे ज्यादा जोर पश्चिम बंगाल पर था। जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस यानी आईएसआई ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री को निशाना बनाने और मंत्रियों व उनके बेटों को हनी-ट्रैप में फंसाने के लिए महिलाओं की भर्ती करने का काम सौंपा था।

युवा महिलाओं की होनी थी भर्ती:जांचकर्ताओं ने बताया कि मॉड्यूल कथित तौर पर ऐसी युवा महिलाओं की तलाश कर रहा था जिन्हें हनी-ट्रैप ऑपरेशन के लिए भर्ती किया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि भर्ती की गई महिलाओं को ऐसे काम करने के बदले मोटी रकम का वादा किया गया था।

जम्मू से 964 अमरनाथ तीर्थयात्री बालटाल रवाना 2,000 से ज्यादा पवित्र गुफा के दर्शन कर लौटे

जम्मू,एजेंसी। श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन के लिए 964 तीर्थयात्रियों का नया जत्था मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।जम्मू पुलिस कंट्रोल रूम के अधिकारियों के अनुसार 27वां जत्था तड़के 3:05 बजे 39 गाड़ियों के साथ रवाना हुआ। इनमें 21 बसें, 8 मीडियम मोटर वाहन और 10 लाइट मोटर वाहन शामिल हैं। इस जत्थे में 744 पुरुष, 177 महिलाएं, एक बच्चा, 32 साधु और 10 साध्वियां शामिल हैं।

राजस्थान में एनएच पर स्पीड ब्रेकर को लेकर विवाद

● एनएचएआई को लेना पड़ा यू-टर्न; गलत जानकारी देने वाला डायरेक्टर सस्पेंड

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में नेशनल हाईवे-25 पर पृथ्वीपुरा गांव के पास मीडियन ओपनिंग पर खराब रंबल स्ट्रिप्स को लेकर हुए विवाद पर अपना पिछला रुख बदलते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एक प्रोजेक्ट डायरेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब एक्स (पहले ट्विटर) पर कई यूजर्स ने उस जगह के वीडियो और तस्वीरें शेयर कीं। इन पोस्ट्स ने हाईवे अथॉरिटी के उस शुरुआती दावे को चुनौती दी, जिसमें कहा गया था कि इस मुद्दे पर आई रिपोर्ट्स गुमराह करने वाली थीं।

एनएचएआई की एक्स पोस्ट में क्या कहा गया राजस्थान में एनएच-25 पर पृथ्वीपुरा गांव के पास मीडियन ओपनिंग पर रंबल स्ट्रिप्स बनाने के बारे में मीडिया के कुछ हिस्सों में आई खबरों पर एनएचएआई ने कहा है कि ये खबरें उस हिस्से की असल स्थिति नहीं दिखाती हैं। अथॉरिटी ने सोमवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'नेशनल हाईवे का इस्तेमाल करने वालों और गांव के निवासियों दोनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए स्थानीय जन-प्रतिनिधि के अनुरोध पर रंबल स्ट्रिप्स बनाई जा रही हैं।' पोस्ट में आगे कहा गया, 'एनएचएआई हाईवे इस्तेमाल करने वालों से मिले बहुमूल्य सुझावों की सराहना करता है और सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा का अनुभव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

फिर प्रोजेक्ट डायरेक्टर को किया सस्पेंड: पूरी समीक्षा करने के बाद एनएचएआई ने माना कि संबंधित अधिकारी ने सोशल मीडिया पर गलत जानकारी दी थी। इसके बाद प्रोजेक्ट डायरेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया और कहा गया कि साइट पर सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं ताकि यह पक्का किया जा सके कि सड़क सुरक्षा के तय मानकों का पालन हो रहा है। एनएचएआई ने शुरू में इन रिपोर्टों को खारिज कर दिया था। उसका कहना था कि ये रिपोर्टें उस सड़क के हिस्से की हालत को सही ढंग से नहीं दिखाती हैं और रंबल स्ट्रिप्स स्थानीय जन-प्रतिनिधि के अनुरोध पर बनाई गई थीं ताकि हाईवे का इस्तेमाल करने वालों और आस-पास रहने वाले लोगों की सुरक्षा बढ़ाई जा सके। हालांकि, एनएचएआई की इस बात से सोशल मीडिया के कई यूजर्स संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने साइट से तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करना जारी रखा, जिनसे पता चलता था कि एनएचएआई की ओर से शेयर की गई तस्वीरें किसी दूसरी जगह की थीं और उनमें बताई गई समस्या का समाधान नहीं किया गया था।

एनएचएआई ने पहले दी थी गलत जानकारी

विवाद तब और बढ़ गया जब यूजर्स ने बताया कि एनएचएआई ने रिपोर्ट का जवाब देने के लिए जो तस्वीरें शेयर की थीं वे उसी जगह की नहीं बल्कि किसी दूसरी जगह की थीं। इससे यह आरोप लगा कि अधिकारी ने जमीनी हालात को गलत तरीके से पेश किया था।

आलोचना होने पर एनएचएआई ने लिया यू-टर्न

आलोचना बढ़ने पर एनएचएआई ने एक नया बयान जारी कर माना कि संबंधित अधिकारी ने सोशल मीडिया पर गलत जानकारी दी थी। अथॉरिटी ने कहा, 'एनएचएआई यह बताना चाहता है कि मामले की विस्तृत समीक्षा के बाद संबंधित प्रोजेक्ट डायरेक्टर को रंबल स्ट्रिप्स के बारे में सोशल मीडिया पर गलत जानकारी देने के कारण सस्पेंड कर दिया गया है।' अथॉरिटी ने अपने हालिया बयान में कहा, 'एनएचएआई नेशनल हाईवे नेटवर्क पर सुरक्षा और क्वालिटी के सबसे ऊंचे स्टैंडर्ड बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और नेशनल हाईवे इस्तेमाल करने वालों से मिलने वाले रचनात्मक सुझावों को महत्व देता है।

बांकीपुर उपचुनाव में हार के बाद आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने संगठन में बड़े बदलाव की मांग की

पटना, एजेंसी। आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी के भीतर गहन आत्ममंथन की मांग की है। उन्होंने कहा कि पार्टी को अपना संगठन फिर से खड़ा करना होगा और जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ना होगा। पार्टी की मौजूदा स्थिति पर बात करते हुए भाई वीरेंद्र ने कहा कि आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के करीबी दायरे में मौजूद कुछ लोगों को हटाया जाना चाहिए। उनका दावा है कि ये नेता जनता के बीच अलोकप्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'तेजस्वी यादव के आसपास कुछ लोग हैं जिन्हें हटाने की जरूरत है। जनता उनसे नाराज है और उनके खिलाफ असंसदीय भाषा का भी इस्तेमाल करती है। हमें पार्टी को फिर से सिरे से बनाना होगा, लोगों के बीच जाना होगा और उनसे जुड़ना होगा। हम मानते हैं कि हमारी तरफ से बड़ी गलती हुई है।' भाई वीरेंद्र ने बांकीपुर के नतीजे को लेकर अपनी व्याख्या भी दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम भाजपा और एनडीए से जनता की नाराजगी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आरजेडी को परंपरागत रूप से वोट देने वाले कुछ मतदाताओं ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को वोट दिया होगा, क्योंकि वे उन्हें इस सीट पर भाजपा को हराने में सक्षम सबसे मजबूत उम्मीदवार मानते थे। उनके अनुसार इसलिए मतदान के पैटर्न को सिर्फ आरजेडी की अस्वीकृति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

असम में बाढ़ का कहर जारी : दो और लोगों की गई जान, 1.28 लाख लोग प्रभावित ; केरल में भी बारिश से 15 मौतें

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के बाढ़ से दो और लोगों की मौत हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि दोनों मौतें शिवसागर जिले में हुईं। इसके साथ ही राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है। सोमवार को जारी बुलेटिन के अनुसार सात जिलों में 1.28 लाख से ज़्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। असम सरकार ने बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित 75 हजार से अधिक परिवारों के लिए लगभग 160 करोड़ रुपये की पहली किस्त अंतरिम राहत के रूप में जारी की। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने डिब्रूगढ़ से अंतरिम राहत की पहली किस्त जारी की। सिवासागर, चराइदेव, जोरहाट और गोलाघाट जिलों में गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त घरों वाले लगभग 75 हजार परिवारों को 15- 15 हजार रुपये मिले। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत प्रभावित पात्र परिवारों के लिए भी सब्सिडी जारी की गई।

केरलम में भी अबतक 15 लोगों की गई जान: केरलम में बारिश से जुड़ी घटनाओं में मृतकों की संख्या 15 हुई एएनआई के अनुसार केरलम के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन ने सोमवार को बताया कि केरल में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। अब भी सात लोग लापता हैं। मुख्यमंत्री ने बारिश से जुड़ी घटनाओं में मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार के लिए 10 हजार रुपये देने की घोषणा की। तिरुअनंतपुरम में सभी जिला कलेक्टरों के साथ बैठक के बाद सतीसन ने बताया कि लगभग 165 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है, जिससे 3,596 किसान प्रभावित हुए हैं।

मुआवजे को लेकर सरकार का बड़ा फैसला

केरलम सरकार ने फसल का नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए मुआवजा बढ़ाने का फैसला किया है और इस मामले पर अगली कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी। राज्य के पथनामथिट्टा, कोट्टायम और अन्य इलाकों में एनडीआरएफ और सुरक्षा बलों की टीमें तैनात की गई हैं। इस बीच मौसम विभाग ने राज्य के 10 जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया। चार जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में हो रही भारी बारिश के कारण जिला कलेक्टरों ने 12 जिलों में सभी शिक्षण संस्थानों के लिए छुट्टी की घोषणा की है।

चिंकारा की मौत पर बढ़ी दिल्ली जू की मुश्किलें, सीजेडए ने एनजेडपी से मांगी तथ्यात्मक रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चिड़ियाघर में चिंकारा (इंडियन गजेल) की मौत का मामला अब केंद्र सरकार के स्तर तक पहुंच गया है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (एनजेडपी) से विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। प्राधिकरण ने रिपोर्ट में पोस्टमार्टम के निष्कर्ष, यदि कोई प्रयोगशाला जांच कराई गई हो तो उसकी रिपोर्ट, मौत के पुष्ट कारण और घटना के बाद उठाए गए कदमों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है।

रिपोर्ट मिलने के बाद होगी आगे की जांच: सीजेडए ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के महानिरीक्षक (वन्यजीव) को भेजे पत्र में राष्ट्रीय प्राणी उद्यान के निदेशक से जल्द रिपोर्ट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। प्राधिकरण का कहना है कि रिपोर्ट मिलने के बाद पूरे मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीजेडए के पत्र में उल्लेख है कि दो अगस्त को प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले से जुड़े तथ्यों की जानकारी मांगी गई है। प्राधिकरण ने घटना की परिस्थितियों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, यदि कोई प्रयोगशाला जांच कराई गई हो तो उसके निष्कर्ष, मौत के कारण व चिड़ियाघर प्रशासन की ओर से की गई कार्रवाई का पूरा ब्योरा तलब किया है, ताकि मामले की तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट हो सके। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब हाल के महीनों में दिल्ली चिड़ियाघर में कई वन्यजीवों की मौत चर्चा का विषय बनी हुई है। पिछले महीने एक सिवेट और चिंकारा की मौत हुई थी। इससे पहले नीलगाय, सियार और संकटग्रस्त संगाई हिरण की भी मौत हो चुकी है।

लापरवाही मिलने पर हो सकती है कार्रवाई

बीते वर्ष एक सियार के बाड़े से निकलने और बाद में उसकी मौत का मामला भी विवादों में रहा था। वहीं, इस वर्ष सफेद बाघिन दुर्गा स्थानांतरण की तैयारी के दौरान घायल हो गई थी। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि पोस्टमार्टम और जांच रिपोर्ट से न केवल चिंकारा की मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे, बल्कि यह भी सामने आएगा कि पशु प्रबंधन, बाड़ों की सुरक्षा और उपचार व्यवस्था में कहीं कोई कमी तो नहीं रही। यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही या प्रबंधन संबंधी चूक सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

नाबालिग के साथ रेप और हत्या के मामले में तीन किशोर गिरफ्तार, पीड़ित परिवार ने की फांसी देने की मांग

दिसपुर, एजेंसी। असम में एक 15 साल की लड़की की रेप के बाद हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप तीन लोगों पर है, जिसमें से एक नाबालिग है। मामला असम के हैलाकांडी जिले का है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि लड़की इन आरोपियों में से एक के साथ रिश्ते में थी। बता दें कि लड़की राष्ट्रीय राजमार्ग-6 के पास अपने घर में मृत पाई गई थी। परिवार ने आरोप लगाया कि उसके साथ रेप किया गया और फिर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी गई।

साढ़े 17 साल का है एक आरोपी: पुलिस ने मामले में रविवार को 5 युवकों को हिरासत में लिया था। लेकिन सोमवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी उम्र 17 से 19 साल के बीच है। हैलाकांडी के एसएसपी ने बताया कि एक आरोपी की उम्र साढ़े 17 साल है और अदालत से उस पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने की अपील की गई है। लड़की की मां ने बताया कि वह सभी लोग दावत में गए थे। वहां लड़की की उसके चचेरे भाई के साथ बहस हो गई और वह 10.30 बजे घर के लिए निकल गई। जब सभी लोग एक घंटे बाद घर पहुंचे, तो उसकी लाश मिली। उन्होंने आरोपियों के लिए मौत की सजा की मांग की है।

● फांसी देने की हो रही मांग

पुलिस ने कहा कि मामले में अभी और गिरफ्तारियां की जा सकती हैं। आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं और पूछताछ की जा रही है। एसएसपी ने कहा, 'आरोपी घर के बारे में अच्छे से जानते थे। लड़की और लड़के के बीच बातचीत होती थी। हम किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकते, लेकिन गहन जांच की जा रही है।' इस घटना के सामने आने के बाद हैलाकांडी और असम की बराक घाटी में विरोध प्रदर्शन हुआ। स्थानीय लोगों ने असम और मिजोरम को जोड़ने वाले एनएच-6 को ब्लॉक कर दिया। प्रदर्शनकारी आरोपियों को फांसी देने की मांग कर रहे हैं।

नेतन्याहू और बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में हमास निरस्त्रीकरण समझौते पर चर्चा

गाजा में शांति कब

यरूशलम, एजेंसी। गाजा के युद्ध के बाद के संक्रमण की निगरानी कर रहे बोर्ड ऑफ पीस के अधिकारी ने सोमवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। बोर्ड ऑफ पीस के बयान के अनुसार, इस बैठक में हमास के साथ हुए नए निरस्त्रीकरण समझौते पर चर्चा की गई। बोर्ड ऑफ पीस के अनुसार, गाजा के उच्च प्रतिनिधि निकोलाय म्लादेनोव ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी टीम के साथ रचनात्मक और विस्तृत बातचीत की। बयान में कहा गया कि उद्देश्य स्पष्ट है और इसमें कोई बदलाव नहीं है। गाजा पट्टी में हथियारों को पूरी तरह हटाना और हथियारों के शासन से नागरिक प्रशासन की ओर संक्रमण सुनिश्चित करना इसका लक्ष्य है।

क्या गाजा पर हमले रोकने की भी अपील की गई: बैठक से परिचित दो लोगों के अनुसार, म्लादेनोव ने नेतन्याहू से गाजा पट्टी पर इस्राइली हमले रोकने का भी आग्रह किया। बताया गया कि म्लादेनोव और उनकी टीम, जिसमें वरिष्ठ सलाहकार एरीये लाइटस्टोन भी शामिल हैं, हमास के हथियारों के निरस्त्रीकरण समझौते को आगे बढ़ाने के साथ-साथ इस्राइल पर हमले रोकने का दबाव बना रहे हैं।

हमास बोला- युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण पर कायम: हमास ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि संगठन और विभिन्न फलस्तीनी गुट युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण को लागू करने पर बनी सहमति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमास के अनुसार, समझौते के तहत सभी पक्षों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभानी हैं। संगठन ने यह भी कहा कि वह निकोलाय म्लादेनोव और मध्यस्थ देशों की ओर से हुए समझौते पर स्पष्ट और आधिकारिक जवाब का इंतजार कर रहा है।

क्या समझौता व्यापक युद्धविराम का हिस्सा है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले गुरुवार इस समझौते की घोषणा की थी। यह समझौता पिछले वर्ष हुए व्यापक युद्धविराम समझौते का हिस्सा है। इसके तहत इस्राइल को अपने सैन्य अभियान रोकने और हमास तथा उसके सहयोगियों को सभी उग्रवादी गतिविधियां बंद करने का प्रस्ताव दिया गया था। समझौते में हथियारों के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया की भी सामान्य रूपरेखा दी गई है।

क्या इस्राइल ने समझौते पर आपत्ति जताई

समझौते का मसौदा सार्वजनिक होने के बाद इस्राइल ने कहा कि उसे इससे जुड़ी 'गंभीर सुरक्षा चिंताएं' हैं और उसने इन्हें अमेरिका के साथ साझा किया है। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में हमले तेज कर दिए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, शनिवार रात से रविवार तक हुए हमलों में 17 लोगों की मौत हुई। हालांकि सोमवार को गाजा में किसी हवाई हमले की सूचना दर्ज नहीं की गई।

तेल कंपनियों पर बिफरे ट्रंप: शवोन के सीईओ अमेरिकी राष्ट्रपति की खरी-खरी, क्या घटेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल कंपनी शवोन के चेयरमैन और सीईओ माइक वर्थ पर तीखा हमला बोला है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि वर्थ ने कंपनी की सफलता का श्रेय अपनी नीतियों को दिया, लेकिन यह भूल गए कि उनकी सरकार की नीतियों के बिना अमेरिकी तेल उद्योग और देश दोनों मुश्किल में पड़ जाते। साथ ही उन्होंने तेल कंपनियों से उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें तुरंत कम करने की मांग भी की।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर क्या कहा: ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि माइक वर्थ ने एक इंटरव्यू में शवोन की सफलता के कई कारण गिनाए, लेकिन उन्होंने ट्रंप प्रशासन की भूमिका का जिक्र नहीं किया। ट्रंप ने दावा किया कि उनकी सरकार की दूरदर्शिता, मजबूती और स्थिर नीतियों की वजह से ही अमेरिकी तेल उद्योग आज मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार नहीं होती, तो तेल उद्योग लगभग खत्म हो चुका होता।

वेनेजुएला का भी किया जिक्र: ट्रंप ने कहा कि उनके कार्यकाल में वेनेजुएला पर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने अमेरिकी रणनीति को मजबूती दी। उनके मुताबिक, शवोन को पहले वेनेजुएला से बाहर होना पड़ा था, लेकिन अब कंपनी पहले से ज्यादा मजबूत स्थिति में वहां लौट रही है और बड़ा मुनाफा कमाने की उम्मीद कर रही है।

तेल कंपनियों को दी सीधी चेतावनी: ट्रंप ने सिर्फ शवोन ही नहीं, बल्कि अन्य तेल कंपनियों को भी खुदरा ईंधन कीमतें तुरंत कम करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं को राहत मिलनी चाहिए और कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने चाहिए।

शवोन ष्टश्वह्र ने क्या कहा था: इससे पहले शवोन के सीईओ माइक वर्थ ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा था कि ईरान से जुड़े युद्ध और पश्चिम एशिया के तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार अब भी अस्थिर बना हुआ है। उन्होंने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर में जारी संकट के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरता है, जबकि लाल सागर में जारी व्यवधान के कारण भी वैश्विक आपूर्ति पर असर पड़ा है।

ईंधन कीमतों पर बढ़ा दबाव: रिपोर्टों के अनुसार, ईरान से जुड़े संघर्ष के बाद अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। अमेरिकी ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक, देश में पेट्रोल की औसत कीमत 4.10 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है, जो संघर्ष शुरू होने के समय की तुलना में एक डॉलर से अधिक ज्यादा है।

ट्रंप पर भी बढ़ रहा राजनीतिक दबाव: ईंधन की बढ़ती कीमतों और महंगाई को लेकर ट्रंप विपक्ष के निशाने पर हैं। अमेरिका में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले बढ़ती लागत उनके लिए राजनीतिक चुनौती बनती दिख रही है। हालांकि ट्रंप का दावा है कि यदि ईरान के साथ संघर्ष समाप्त हो जाता है, तो ईंधन की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी। वहीं, कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि युद्ध के आर्थिक प्रभाव लंबे समय तक बने रह सकते हैं और कीमतों में तत्काल बड़ी गिरावट की संभावना सीमित है।

क्या बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर भारी पड़ रहा बीएलएफ 48 अभियानों में 97 सैनिकों को मारने का दावा

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने दावा किया है कि उसने पिछले महीने बलूचिस्तान में 48 अभियानों के दौरान 97 पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों और पांच कथित मुखबिरों को मार गिराया, जबकि 15 अन्य सैनिक घायल हुए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

क्या बीएलएफ ने किन ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया: द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, संगठन की मासिक ऑपरेशनल रिपोर्ट में बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वहराम बलूच ने कहा कि अभियानों के दौरान पाकिस्तानी सेना, अन्य सरकारी सुरक्षा बलों, सैन्य और आर्थिक ठिकानों, संचार नेटवर्क तथा निगरानी ढांचे को निशाना बनाया गया। बीएलएफ के अनुसार, ये अभियान काहान, चागई, खारन, कलात, मस्तुंग, खुजदार, बासिमा, मांड, टुम्प, गोमाजी, झाओ, क्वेटा, जमुरान, सुराब, मशकेल, बुलेदा, कराची, पासनी, राखनी, नाल, खुदान, बालनेगवार और मशके में चलाए गए। संगठन का कहना है कि इन कार्रवाइयों का उद्देश्य बलूचिस्तान में पाकिस्तानी राज्य की उस व्यवस्था को कमजोर करना है, जिसे वह औपनिवेशिक ढांचा बताता है। साथ ही उसने दावा किया कि उसका मकसद संसाधनों के दोहन को रोकना और क्षेत्र पर सेना के नियंत्रण को कमजोर करना है।

क्या मस्तुंग हमला सबसे घातक कार्रवाई थी: ग्वहराम बलूच ने 22 जुलाई को मस्तुंग के खादकोचा इलाके में मैक्रो स्टॉप के पास पाकिस्तानी सैन्य काफिले पर हुए हमले को महीने की सबसे बड़ी और सबसे घातक कार्रवाई बताया संगठन ने दावा किया कि इस हमले में 17 सैनिक मारे गए, 10 अन्य घायल हुए और सैन्य काफिले को भी भारी नुकसान पहुंचा।

क्या बीएलएफ ने सप्लाई लाइन बाधित करने का दावा किया

बीएलएफ का कहना है कि उसके लड़ाकों ने जुलाई के दौरान प्रमुख राजमार्गों पर नौ स्थानों पर नाकेबंदी कर नियंत्रण स्थापित किया, ताकि सेना की सप्लाई लाइनों को बाधित किया जा सके और इलाके में अपनी पकड़ मजबूत की जा सके। संगठन के बयान के अनुसार, सात पाकिस्तानी सैन्य काफिलों पर घात लगाकर हमले किए गए, जिससे सैनिकों और सैन्य सामग्री को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा छह बड़े सैन्य शिविरों और सात चेकपोस्टों पर समन्वित हमले करने का भी दावा किया गया।

क्या ड्रोन और निगरानी उपकरण भी नष्ट किए गए

बीएलएफ ने दावा किया कि उसने हवाई निगरानी में इस्तेमाल होने वाले दो ड्रोन और जमीन पर लगे तीन निगरानी कैमरे नष्ट कर दिए। संगठन के मुताबिक, उसकी कार्रवाइयों और विस्फोटों में 15 सैन्य वाहन तबाह हुए और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों से पांच आधुनिक हथियार भी कब्जे में लिए गए।

या अलग-अलग गुरिल्ला रणनीतियों का इस्तेमाल किया गया

संगठन के बयान में कहा गया कि जुलाई के दौरान किए गए अभियानों में अलग-अलग गुरिल्ला रणनीतियों का इस्तेमाल किया गया। इनमें भारी हथियारों से 16 हमले, आठ घात लगाकर हमले, पांच खुफिया जानकारी आधारित गुप्त अभियान, चार स्नाइपर हमले, दो ग्रेनेड लॉन्चर हमले, दो आईईडी हमले और एक हैंड ग्रेनेड हमला शामिल था। बीएलएफ का यह बयान ऐसे समय आया है। जब पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने वाले हमलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, खासकर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा जैसे सीमावर्ती प्रांतों में।

कुसमी में कलेक्टर ने ली शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक शैक्षणिक गुणवत्ता और नामांकन पर दिया विशेष जोर

लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश, विद्यार्थियों से जुड़ी योजनाओं की हुई बिंदुवार समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कुसमी में शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक लेकर शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र बच्चे का विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित किया जाए तथा शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन किया जाए बैठक में कलेक्टर ने कक्षा 1 के शत-प्रतिशत नामांकन कक्षा 1 से 12 तक के प्रवेश विद्यालयवार नामांकन की स्थिति तथा प्रवेश से वंचित बच्चों के कारणों की समीक्षा की उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को पुन: विद्यालय से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं उन्होंने चाइल्ड ट्रैकिंग पोर्टल पर लंबित विद्यार्थियों की जानकारी, आधार आईडी निर्माण, बजट पोर्टल पर विद्यार्थियों के प्रक्षेपण तथा एपेक्षर पोर्टल में डॉपलेस बच्चों के सत्यापन की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी लंबित कार्य तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने साक्षरता सर्वे एवं साक्षरता कक्षाओं के संचालन, इको क्लब गठन एवं पौधरोपण, शिक्षक प्रशिक्षण, एसआरएलएम पोर्टल पर स्व-सहायता समूहों के पंजीयन तथा कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों की अद्यतन जानकारी की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी प्राचार्य पोर्टलों पर सही एवं अद्यतन जानकारी दर्ज करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना सुनिश्चित करें बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है सभी प्राचार्य नियमित रूप से विद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करें विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करें तथा शासन द्वारा निर्धारित सभी लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करें बैठक के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि विद्यालयों में केवल नामांकन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है उन्होंने सभी प्राचार्यों को विद्यालयों की प्रयोगशालाओं एवं पुस्तकालयों को नियमित रूप से क्रियाशील रखने, विद्यार्थियों को इनके अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों का शैक्षणिक वातावरण ऐसा हो, जिससे विद्यार्थियों में सीखने की रुचि विकसित हो और बेहतर शैक्षणिक परिणाम प्राप्त किए जा सकें बैठक में उपखंड अधिकारी कुसमी सागर जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा, बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी सहित सभी प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान विवाद डॉक्टर और मरीज पक्ष ने दर्ज कराई एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में सर्पदंश के मरीज के इलाज के दौरान हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है डॉक्टर और मरीज पक्ष ने एक-दूसरे पर मारपीट अभद्रता और धमकी देने के आरोप लगाए हैं बैढ़न कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार घटना सोमवार रात की है। गहिलरा निवासी सुरेंद्र प्रसाद शाह को सर्पदंश के बाद उपचार के लिए जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर लाया गया था इलाज के दौरान अस्पताल में भीड़ और अफरा-तफरी के बीच ड्यूटी पर मौजूद डॉ. विजय प्रताप बैस और मरीज के परिजनों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए मरीज के बेटे सुजीत कुमार शाह ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि डॉक्टर और अस्पताल के कुछ कर्मचारियों ने उनके साथ गाली-गलौज धक्का-मुक्की और मारपीट की जिससे उन्हें चोटें आईं उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित डॉक्टर और स्टाफ के खिलाफ मामला दर्ज किया है वहीं, डॉ. विजय प्रताप बैस ने भी बैढ़न कोतवाली में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि मरीज पक्ष के लोगों ने अस्पताल परिसर में उनके साथ अभद्रता की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी पुलिस ने डॉक्टर की शिकायत पर भी संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है घटना के बाद देर रात तक जिला अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बना रहा बैढ़न कोतवाली पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच की जा रही है जांच पूरी होने के बाद सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सरई नगर परिषद के खिलाफ व्यापारियों का प्रदर्शन

भ्रष्टाचार और बदहाल व्यवस्थाओं पर सौंपा 8 सूत्रीय ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सरई नगर परिषद में कथित भ्रष्टाचार और मूलभूत सुविधाओं की बदहाली को लेकर मंगलवार को सरई व्यापारी युवा संघ ने जोरदार प्रदर्शन किया उत्तरा मैदान से रैली निकालकर नगर परिषद कार्यालय पहुंचे सैकड़ों व्यापारियों और युवाओं ने नारेबाजी करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 30 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा व्यापारी युवा संघ ने आरोप लगाया कि नगर परिषद क्षेत्र में विकास कार्य लंबे समय से ठप पड़े हैं मुख्य बाजार की सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, जिससे राहगीरों और व्यापारियों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कई वार्डों में स्ट्रीट लाइटें बंद हैं या लगी ही नहीं हैं जबकि नल-जल योजना का कार्य भी अधूरा पड़ा है इसके अलावा नियमित साफ-सफाई का अभाव, सार्वजनिक शौचालयों की खराब स्थिति और सब्जी मंडी की अव्यवस्थाओं को लेकर भी संगठन ने नाराजगी जताई संघ ने नगर परिषद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सफाई कर्मचारियों से सरकारी वेतन दिलाकर अधिकारियों के निजी आवासों पर कार्य कराया जा रहा है संगठन ने इसे सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का मामला बताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की ज्ञापन में मुख्य बाजार में स्थायी ऑटो स्टैंड का निर्माण, सड़क किनारे संचालित मांस एवं मछली की दुकानों को निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित करने तथा क्षेत्र में 108 एंबुलेंस सेवा की संख्या बढ़ाने जैसी प्रमुख मांगें भी शामिल की गई हैं व्यापारी युवा संघ के सदस्य अमन गुप्ता ने कहा कि कई बार शिकायतें और मांगपत्र देने के बावजूद नगर परिषद और प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है उन्होंने कहा कि यदि 30 दिनों के भीतर सभी मांगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन नगर परिषद कार्यालय के सामने उग्र आंदोलन करेगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी ज्ञापन प्राप्त करने के बाद नगर परिषद प्रशासन ने मांगों पर नियमानुसार विचार करने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

केशवाही पंचायत में विकास कार्यों पर उठे सवाल, पुलिया और स्ट्रीट लाइट में अनियमितता का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुढ़ार जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत केशवाही में विकास कार्यों को लेकर कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है भाजपा मंडल केशवाही के उपाध्यक्ष कमलेश सिंह ने मंगलवार को कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपकर पुलिया निर्माण और स्ट्रीट लाइट कार्य में सरकारी राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया है उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है कमलेश सिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने इससे पहले भी दो बार संबंधित अधिकारियों को आवेदन देकर मामले की जांच की मांग की थी लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई उनका आरोप है कि ग्राम पंचायत केशवाही में कराए जा रहे विकास कार्यों में नियमों की अनदेखी की गई है शिकायत के अनुसार पहली शिकायत 20 मई 2026 को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को दी गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि देवेंद्र मिश्रा के खेत के पास निर्माणाधीन पुलिया स्वीकृत एस्टीमेट के विपरीत बनाई जा रही है शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पुलिया का निर्माण निजी भूमि पर भू-स्वामी की लिखित सहमति के बिना किया जा रहा है इसके अलावा पुलिया की निर्धारित चौड़ाई कम रखने खुदाई कार्य और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में भी अनियमितता बरतने की बात कही गई है इसके बाद 29 जून 2026 को स्ट्रीट लाइट कार्य को लेकर दूसरी शिकायत दर्ज कराई गई। इसमें आरोप लगाया गया कि बिना निर्धारित प्रक्रिया पूरी किए कार्य का मूल्यांकन और भुगतान कर दिया गया साथ ही स्वीकृत स्थानों के बजाय अन्य जगहों पर कार्य कराने और पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप भी लगाया गया दस्तावेजों के अनुसार, जिला पंचायत ने 6 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत बुढ़ार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र जारी कर सात दिनों के भीतर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे हालांकि शिकायतकर्ता का कहना है कि अभी तक न जांच पूरी हुई है और न ही जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई की गई है कमलेश सिंह ने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि पंचायत कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे और दोषियों पर कार्रवाई हो सके।

बारिश से कमजोर हुई पुल की नींव, कंचनपुर-उमरिया मार्ग पर हादसे का खतरा बढ़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली क्षेत्र के कंचनपुर-उमरिया मार्ग पर स्थित वन विभाग का पुल तेज बारिश के कारण जर्जर हो गया है पुल के नीचे की मिट्टी बह जाने से उसकी नींव कमजोर हो गई है और पुल हवा में लटका हुआ नजर आ रहा है ग्रामीणों ने किसी बड़े हादसे की आशंका जताते हुए वन विभाग और प्रशासन से तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार लगातार बारिश के चलते पुल के नीचे की मिट्टी पानी के तेज बहाव में कटकर बह गई इससे पुल का आधार कमजोर हो गया है ग्रामीणों का कहना है कि यदि भारी वाहन इस पुल से लगातार गुजरते रहे तो कभी भी पुल धंस सकता है और गंभीर दुर्घटना हो सकती है मंगलवार को ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर वन विभाग के डीएफओ को शिकायत पत्र सौंपा ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग द्वारा करीब पांच वर्ष पहले इस पुल का निर्माण कराया गया था निर्माण के समय मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए, जिसके कारण बारिश के मौसम में पुल के नीचे का हिस्सा धीरे-धीरे खोखला होता चला गया यह पुल खरबर, डेवा, देवमठ, कछमेछ कंचनपुर और उमरिया सहित करीब नौ गांवों के लोगों के लिए मुख्य आवागमन मार्ग है इसी रास्ते से ग्रामीण मझौली और जिला मुख्यालय सीधी तक पहुंचते हैं।

संभागीय आयुक्त के निज सहायक अवनीश शर्मा सेवानिवृत्त, भावुक माहौल में दी गई विदाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संभागीय आयुक्त कार्यालय में निज सहायक के पद पर कार्यरत अवनीश शर्मा के सेवानिवृत्त होने पर मंगलवार को भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया 42 वर्ष के अनुशासित और समर्पित शासकीय कार्यकाल को याद करते हुए आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी विदाई समारोह में संभागीय आयुक्त शीलेन्द्र सिंह ने कहा कि अवनीश शर्मा ने अपने लंबे सेवाकाल में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण का परिचय दिया। उन्होंने अपने सरल स्वभाव और आत्मीय व्यवहार से कार्यालय के सभी सहयोगियों के बीच विशेष स्थान बनाया आयुक्त ने उनकी कार्यकुशलता सहयोग भावना और प्रतिभाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि शर्मा को सेवा के अंतिम दौर में पदोन्नति मिलना उनके कर्म और समर्पण का सम्मान है गायन-संगीत मंच संचालन और लेखन के क्षेत्र में भी उनकी प्रतिभा उल्लेखनीय रही है इस अवसर पर आयुक्त ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया संयुक्त आयुक्त वीरेन्द्र पटेल ने भी अवनीश शर्मा के सौम्य व्यवहार और निष्कलंक शासकीय सेवा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शर्मा को उनके बेदाग कार्यकाल और सहयोगी स्वभाव के लिए हमेशा याद किया जाएगा साथ ही उन्होंने भविष्य में किसी भी आवश्यकता पड़ने पर आयुक्त कार्यालय की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया समारोह में आयुक्त कार्यालय के सभी कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया अपने संबोधन में अवनीश शर्मा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का धन्यवाद किया तथा सेवाकाल के दौरान हुई किसी भी त्रुटि के लिए क्षमा मांगी भावुक माहौल के बीच कार्यालय का पूरा स्टाफ उन्हें मुख्य द्वार तक छोड़ने पहुंचा कार्यक्रम।

पटवारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी, सीधी जिले में राजस्व कार्य पूरी तरह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश में पटवारियों की प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर सीधी जिले में भी व्यापक रूप से दिखाई दे रहा है सोमवार से शुरू हुआ आंदोलन मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा जिले के सभी पटवारियों ने शासकीय कार्यों का बहिष्कार करते हुए अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया आंदोलन के चलते जिले में राजस्व विभाग का कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो गया है मंगलवार दोपहर जिला मुख्यालय स्थित विथिका भवन में जिलेभर के पटवारी एकत्रित हुए उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समयमान वेतनमान, पदोन्नति और अन्य लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की। पटवारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक हड़ताल जारी रहेगी पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार पटेल ने बताया कि यह आंदोलन पूरे प्रदेश में एक साथ चल रहा है। सीधी जिले में पदस्थ करीब 280 पटवारियों ने सामूहिक रूप से कार्य का बहिष्कार किया है जिससे राजस्व विभाग की अधिकांश सेवाएं ठप हो गई हैं पटवारी संघ की प्रमुख मांगों में समयमान वेतनमान और पदोन्नति लागू करना, विभागीय परीक्षा आयोजित कर पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त करना, पटवारियों को न्यायिक संरक्षण देना लंबित भुगतानों का शीघ्र भुगतान तथा नियम विरुद्ध तबादलों पर रोक लगाना शामिल है हड़ताल का सीधा असर आम लोगों और किसानों पर पड़ रहा है जिले के 415 गांवों में नामांतरण सीमांकन, बंटवारा, फसल संबंधी प्रमाण-पत्र, भूमि अभिलेख और अन्य राजस्व कार्य पूरी तरह बंद हैं आवश्यक कार्यों के लिए तहसील और राजस्व कार्यालय पहुंच रहे लोगों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है पटवारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी शासन पर होगी।

गैस सिलेंडर चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार आठ सिलेंडर और कार जब्त

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बरगवां थाना पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के आठ भरे घरेलू गैस सिलेंडर और वारदात में इस्तेमाल की गई अल्टो कार जब्त की है मामले में शामिल 17 वर्षीय नाबालिग के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है पुलिस के अनुसार 29 जुलाई की रात ग्राम पचौर स्थित एफडी इंडेन गैस एजेंसी के गोदाम से 10 भरे गैस सिलेंडर चोरी हुए थे चोर बाउंड्रीवाल फांदकर गोदाम में दाखिल हुए थे शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दीपक पनिका, मोहित गुप्ता और एक नाबालिग को पकड़ा पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार की पुलिस ने आठ सिलेंडर और अल्टो कार (P64L8805) बरामद की है। शेष दो सिलेंडरों की तलाश जारी है थाना प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की जांच की जा रही है पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

कलेक्टर ने उपखंड अधिकारी एवं तहसील कार्यालय कुसमी का किया औचक निरीक्षण

सीएम हेल्पलाइन एवं राजस्व प्रकरणों के शत-प्रतिशत निराकरण के दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी (राजस्व) कार्यालय एवं तहसील कार्यालय कुसमी का औचक निरीक्षण कर राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों की कार्यप्रणाली अभिलेखों के संधारण लंबित प्रकरणों की स्थिति तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भ्रमण क्षेत्र से संबंधित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त सभी लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न होकर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक होना चाहिए जिससे नागरिकों को वास्तविक राहत मिल सके उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही अविवादित नामांतरण सीमांकन एवं बंटवारा के लंबित मामलों का शत-प्रतिशत निराकरण करते हुए अनावश्यक विलंब समाप्त करने को कहा उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालयों द्वारा आदेश पारित किए जाने के बाद भी जिन मामलों में राजस्व अभिलेखों में अमल लंबित है, उन्हें तत्काल अद्यतन किया जाए न्यायालयीन आदेशों के पालन में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 2771/स्टोर/2026 रीवा,दिनांक - 4/08/26

निविदा आमंत्रण सूचना वर्ष 2026-27

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विवरण एम.पी. ई-टेंडर बेब साइट पर देखा जा सकता है ।

क्र.	टेंडर आई डी	कार्य का नाम
1.	2026_HED_526008_1	टेंट आइटम
2.	2026_HED_526066_1	एसी एण्ड इनवरटर आइटम
3.	2026_HED_526214_1	सीसीटीवी कैमरा रिपेरिंग
4.	2026_HED_526209_1	इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम
5.	2026_HED_526230_1	क्लीनिंग ऑइटम
6.	2026_HED_526206_1	वाटर कूलर एण्ड अदर आइटम
7.	2026_HED_525995_1	स्टेशनरी आइटम
8.	2026_HED_52604_1	कम्प्यूटर एण्ड अदर आइटम
9.	2026_HED_525953_1	कम्प्यूटर एण्ड अदर आइटम
10.	2026_HED_525985_1	प्लम्बर आइटम
11.	2026_HED_526263_1	ड्युल डेस्क
12.	2026_HED_526885_1	नोटबुक सामग्री
13.	2026_HED_526847_1	पुस्तक सामग्री
14.	2026_HED_526775_1	खेल सामग्री
15.	2026_HED_526535_1	खेल मैदान सामग्री
16.	2026_HED_526921_1	मुद्रण सामग्री
17.	2026_HED_526811_1	एल्युमिनीयम सामग्री
18.	2026_HED_526250_1	इंट्रक्सन बोर्ड

उपरोक्त निविदा को बेबसाइट एम.पी. ई-टेंडर में आन लाइन के माध्यम से निविदाकार निविदा भर सकते है।

प्राचार्य
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह
महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

भाजपा को झटका

संपादकीय

विधानसभा के हालिया उपचुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के माथे पर शिकन लाने वाले कहे जा सकते हैं। बिहार जहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है और पहली बार उसका मुख्यमंत्री बना है, वहां हाईप्रोफाइल बांकीपुर उपचुनाव में उसे हार का सामना करना पड़े तो इसको लेकर पार्टी की फिक्र बढ़ना लाजमी ही है। पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई-नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था।

पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा। बहरहाल, बिहार में बांकीपुर सीट को खो देना भाजपा को परेशान करने वाला जरूर है। बांकीपुर का बदला जनादेश न सिर्फ नितिन नवीन के लिये, बल्कि बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिये भी असहज करने वाली स्थिति है। दरअसल, प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने स्थानीय मुद्दों के साथ मुख्यमंत्री पर तीखे हमले किये थे। उन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों को लगातार विभिन्न मंचों से उठाया था। जाहिर है अब मुख्यमंत्री को पार्टी के भीतर ही जवाबदेही को लेकर मुश्किल स्थिति का सामना करना होगा। वहीं इस जीत से प्रशांत किशोर के हौसले बुलंद हैं। वह देश के कई दिग्गज राजनेताओं के चुनाव अभियानों के सारथी रह चुके हैं। वे जनता के मिजाज को भांपने का हुनर भी जानते हैं। अब अपनी जीत से उत्साहित प्रशांत किशोर राज्य सरकार के खिलाफ अपना रुख और सख्त करेंगे। वे आने वाले समय में बिहार में जन सुराज पार्टी को तीसरे मोर्चे के तौर पर पेश करने की तैयारी में हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड के बीच असहज होता गठबंधन, पहले ही प्रशांत किशोर के लिये अनुकूल स्थितियां बना रहा है। राजनीतिक पंडित इन उप-चुनावों के परिणामों की अलग-अलग तरह से व्याख्या कर रहे हैं। दरअसल, बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की एक-एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव, नीट पेपर लीक और दूसरे मुद्दों को लेकर भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों के बाद पहली चुनावी लड़ाई थी। जंतर-मंतर पर हुए ऐतिहासिक आंदोलन के बाद सत्ताधारी पार्टी फिर से बढ़त बनाने की कवायद में जुटी है।

आत्मबोध से राष्ट्रनिर्माण तक

डॉ. बृजेश कुमार साहू

भारतीय दर्शन में मनुष्य का परम लक्ष्य केवल मोक्ष की पारलौकिक अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन में सत्य, विवेक और आत्मबोध की प्रतिष्ठा है। आत्मबोध वह स्थिति है, जहाँ मनुष्य स्वयं को अहंकार, स्वार्थ, पद और बाह्य पहचान से ऊपर उठाकर अपने वास्तविक स्वरूप का साक्षात्कार करता है। महाभारत के शांतिपर्व के मोक्षधर्मपर्व में महर्षि वशिष्ठ द्वारा प्रतिपादित विद्या-अविद्या, प्रकृति-पुरुष तथा क्षर-अक्षर का विवेचन इसी आत्मबोध की क्रमिक यात्रा का दार्शनिक मानचित्र प्रस्तुत करता है। इस संपूर्ण विमर्श का मौलिक आधार है–ऋजुता। ऋजुता केवल नैतिक सद्गुण नहीं, बल्कि सत्य की ओर सीधी गति करने वाली अंतःचेतना है। संस्कृत धातु ऋज् का अर्थ है–सीधा होना, वक्रता का अभाव तथा सत्य के अनुरूप होना। इसलिए ऋजुता का आशय मात्र सरलता नहीं, बल्कि विचार, वचन और आचरण की अखंड एकरूपता है। यही आंतरिक समरसता आत्मबोध का प्रथम सोपान है। *उपनिषद् का उद्घोष– 'सत्येन पन्था विततो देवयानः '–स्पष्ट करता है कि सत्य, ऋजुता और धर्म ही मनुष्य को उसके सर्वोच्च लक्ष्य तक पहुँचाने वाले पथ हैं। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण आर्जवम् को ज्ञान का अनिवार्य अंग बताते हैं। उपनिषद् श्रेय और प्रेय का विवेक सिखाते हैं, योगदर्शन चित्तशुद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है और सांख्य पुरुष तथा प्रकृति के भेद का बोध कराता है। इन सभी का निष्कर्ष एक ही है–आत्मविजय के बिना लोकविजय संभव नहीं। भारतीयता का सार किसी बाह्य प्रतीक में नहीं, बल्कि सत्य, संयम, करुणा, उत्तरदायित्व और ऋजुता में निहित है। यही भारतबोध का वास्तविक स्वरूप है। आत्मबोध का अर्थ संसार से पलायन नहीं, बल्कि अपने दायित्वों के प्रति अधिक सजग होना है। जो व्यक्ति स्वयं को पहचान लेता है, वह अधिकार से अधिक कर्तव्य को, स्वार्थ से अधिक लोकमंगल को और अहंकार से अधिक सेवा को महत्त्व देता है। इसीलिए भारतीय परंपरा में आत्मज्ञान और लोकसंग्रह परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। आज भारत तीव्र आर्थिक, तकनीकी और प्रशासनिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में यदि शासन, न्याय, शिक्षा और प्रशासन और राजनीति का आधार केवल नियम रह जाए तथा नैतिकता उससे पृथक हो जाए, तो संस्थाएँ शक्तिशाली होकर भी समाज का विश्वास खो देती हैं। सुशासन का आधार केवल दक्षता नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता, संवेदनशीलता और लोककल्याण है। भारतीय राजधर्म सत्ता को विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व मानता है। इस दृष्टि से प्रत्येक लोकसेवक, प्रशासक, न्यायाधीश, जनप्रतिनिधि, शिक्षक और नीति-निर्माता के लिए आत्मबोध अनिवार्य है। जो पद जनता की सेवा के लिए प्राप्त हुआ है, यदि वही स्वार्थ, पक्षपात, अन्याय, भ्रष्टाचार अथवा अहंकार का साधन बन जाए, तो वह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि धर्म से विचलन है। भारतीय दर्शन का कर्मफल सिद्धान्त स्मरण कराता है कि प्रत्येक कर्म का परिणाम अवश्यंभावी है। पद, प्रतिष्ठा और शक्ति किसी को भी नैतिक उत्तरदायित्व से मुक्त नहीं कर सकते। नागरिकों का भी दायित्व है कि वे केवल अधिकारों की अपेक्षा न करें, बल्कि संविधानसम्मत कर्तव्यों, सत्यनिष्ठा, कर-अनुपालन, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, सामाजिक सद्भाव और सक्रिय नागरिक सहभागिता को अपने जीवन का अंग बनाएँ। ऋजु समाज का निर्माण केवल ऋजु शासन से नहीं, बल्कि ऋजु नागरिकों से भी होता है। आज आवश्यकता केवल कुशल प्रशासकों की नहीं, बल्कि आत्मबोध से संपन्न ऋजु चरित्र वाले लोकसेवकों की है; केवल शिक्षित नागरिकों की नहीं, बल्कि विवेकवान समाज की है; केवल आर्थिक विकास की नहीं, बल्कि नैतिक विकास की भी है। यदि भारतीयता को उसके वास्तविक स्वरूप में पुनः प्रतिष्ठित करना है, तो शिक्षा से प्रशासन तक, न्याय से राजनीति तक और व्यक्ति से राष्ट्र तक–हर स्तर पर ऋजुता को जीवन-मूल्य बनाना होगा। यदि अनुच्छेद 14 विधिक समानता की गारंटी है, तो ऋजुता उस समानता को व्यवहार में परिणत करने वाली नैतिक शक्ति है। जहाँ ऋजुता का अभाव होता है, वहाँ भ्रष्टाचार, पक्षपात, भाई-भतीजावाद , जातिवाद और प्रशासनिक मनमानी जन्म लेती है, जिससे संविधान की भावना आहत होती है।

नेपाल में भी मजहबी कट्टरपंथियों ने भड़काई सांप्रदायिक हिंसा

नेपाल के दक्षिणी हिस्से मधेस और कोशी प्रांत में कांवड़ बोलबम यात्रा और मुहर्रम के लाउडस्पीकर विवाद को लेकर भड़की सांप्रदायिक हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत होना बिगड़ते हालात को बयान करता है यहा भी कट्टरपंथी मजहबी तत्व सिर उठाने लगे हैं। तनाव को देखते हुए सुनसरी, सिरहा, सर्लाही और जनकपुर सहित 6 से अधिक शहरों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है और स्थिति को काबू में करने के लिए नेपाली सेना को जमीन पर उतार दिया गया है। इस ताज़ा हिंसा के मामले चिंता बढ़ाने वाले है।

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल के सुनसरी जिले से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा अब कई जिलों तक फैल चुकी है। तीन लोगों की मौत, कई जिलों में कर्फ्यू और सरकार की कार्रवाई पर उठ रहे सवालों के बीच जानिए आखिर नेपाल में क्या हो रहा है? हिंसा की शुरुआत और कारण लाउडस्पीकर और झंडे का विवादः हिंसा की शुरुआत 26 जुलाई की रात सुनसरी जिले के देवानगंज (कसानगंज क्षेत्र) से हुई। वहां एक पक्ष की ओर से बोलबम यात्रा की तैयारी चल रही थी और दूसरे पक्ष का भी धार्मिक कार्यक्रम था। डीजे पर तेज संगीत बजाने और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर दोनों समुदायों के बीच कहासुनी हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक झड़प का रूप ले लिया। हालात इतने बिगड़ गए कि कई इलाकों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस को गोली चलानी पड़ी और अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा के बाद नेपाल सरकार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। सुरक्षा विशेषज्ञों, विपक्ष और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि समय रहते राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं होने से हालात बेकाबू हो गए। पथराव और आगजनीः उपद्रवियों ने कई दुकानों, वाहनों और सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। हताहत और वर्तमान स्थितितीन मौतेंः पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों और फायरिंग में अब तक तीन लोगों (ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव) की मौत हो चुकी है। कर्फ्यू और सेना की तैनातीः सुनसरी और सिरहा के गोलबाजार, लहान, इनरवा और जनकपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में सेना फ्लैग मार्च कर रही है और हेलिकॉप्टर से भी निगरानी रखी जा रही है। नेपाल सरकार की अपीलः नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने देश के नाम संदेश जारी कर लोगों से सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की है। भारत सीमा पर हाई अलर्टनेपाल के ये हिंसा प्रभावित जिले भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे हुए हैं। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस अतिरिक्त चौकसी बरत रही है तथा सीमा पार आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है। आपको बता दें कि नेपाल के तराई क्षेत्र में हाल के दिनों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा केवल पड़ोसी देश की कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है। भारत से लगी खुली सीमा, दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक संबंध और सीमावर्ती क्षेत्रों की साझा आर्थिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों को देखते हुए यह घटनाक्रम भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। सुनसरी जिले के कसानगंज में दो समुदायों के बीच शुरू हुआ विवाद यदि सिराहा, धनुषा और अन्य क्षेत्रों तक तनाव का कारण बन रहा है, तो इसे सामान्य स्थानीय झड़प मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार हिंसा, पथराव, आगजनी और सुरक्षाबलों के साथ झड़पों के बाद नेपाल के कई संवेदनशील क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया है। लोगों की आवाजाही, सभाओं, प्रदर्शनों और सार्वजनिक बैठकों पर रोक लगाई गई है। संवेदनशील स्थानों, सरकारी कार्यालयों और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। नेपाल की सेना और सशस्त्र पुलिस बल को भी निगरानी में लगाया गया है। इन कदमों से स्पष्ट है कि नेपाली प्रशासन स्थिति की गंभीरता को

समझ रहा है, लेकिन असली चुनौती केवल हिंसा रोकना नहीं, बल्कि उसके पीछे सक्रिय अफवाहों, उकसावे और संगठित कट्टरता की पहचान करना है। सांप्रदायिक हिंसा प्रायः अचानक दिखाई देती है, लेकिन उसकी जमीन लंबे समय में तैयार होती है। किसी धार्मिक आयोजन, जुलूस, रास्ते, नारे, सोशल मीडिया पोस्ट या मामूली विवाद को बहाना बनाकर भीड़ को भड़काया जाता है। कुछ घंटों में स्थानीय विवाद सामुदायिक संघर्ष में बदल जाता है। इसके बाद झूठी तस्वीरें, पुराने वीडियो और अपुष्ट संदेश आग में घी का काम करते हैं। नेपाल में भी प्रशासन को यह जांचना होगा कि क्या सुनसरी की घटना के पीछे कोई सुनियोजित अभियान, भड़काऊ प्रचार या बाहरी सहायता से चलने वाला नेटवर्क सक्रिय था। नेपाली मीडिया में सामने आई कथित सुरक्षा रिपोटों ने चिंता को और बढ़ाया है। बताया गया है कि नेपाल की आई पुलिस फोर्स ने कुछ वर्ष पहले ही तराई-मधेस क्षेत्र में धार्मिक और जातीय तनाव भड़काने वाले तत्वों को लेकर सरकार को सतर्क किया था। यदि वास्तव में ऐसी चेतावनी दी गई थी और उस पर समय रहते पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह गंभीर प्रशासनिक चूक मानी जाएगी। खुफिया सूचनाओं का उद्देश्य केवल दस्तावेज तैयार करना नहीं, बल्कि संभावित संकट को रोकने के लिए नीति और कार्रवाई तय करना होता है। हालांकि इस संवेदनशील परिस्थिति में सबसे अधिक सावधानी भाषा और आरोपों को लेकर बरतने की आवश्यकता है। किसी पूरे समुदाय, धर्म, क्षेत्र या जनसंख्या समूह को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराना न केवल अनुचित है, बल्कि इससे तनाव और बढ़ सकता है। धार्मिक स्थलों, मदरसों, मंदिरों, बस्तियों या जनसंख्या में बदलाव से संबंधित दावों की निष्पक्ष और प्रमाण-आधारित जांच होनी चाहिए। अपुष्ट जनसांख्यिकीय आशंकाओं को राजनीतिक हथियार चनाना समाज को और विभाजित कर सकता है।

समस्या कट्टरपंथ, हिंसक संगठन और कानून तोड़ने वाले तत्व हैं कि किसी धर्म के सामान्य नागरिक नहीं। नेपाल की सामाजिक संरचना बहुधार्मिक, बहुभाषी और बहुजातीय है। तराई क्षेत्र में हिंदू, मुस्लिम, मधेसी, थारू, पहाड़ी और अन्य समुदाय लंबे समय से साथ रहते आए हैं। इस सामाजिक ताने-बाने की रक्षा नेपाल सरकार की पहली जिम्मेदारी है। स्थानीय धार्मिक नेताओं, नागरिक संगठनों, शिक्षकों, पत्रकारों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को शांति बहाली में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। केवल पुलिस बल के भरोसे स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। संवाद, विश्वास बहाली और निष्पक्ष न्याय भी उतने ही आवश्यक हैं। भारत के वि भारत के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण खुली सीमा है। भारत और नेपाल के नागरिक अनेक स्थानों पर बिना पासपोर्ट और वीजा के सीमा पार करते हैं। व्यापार, रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा और पारिवारिक संबंधों के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसी स्थिति में नेपाल की हिंसा का असर बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों पर पड़ना स्वाभाविक है। अफवाहें, भड़काऊ सामग्री, असामाजिक तत्व या अवैध हथियार सीमा पार न पहुंचें, इसके लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। बिहार से लगी सीमा पर हाई अलर्ट उचित कदम है, लेकिन सतर्कता का अर्थ सामान्य यात्रियों और सीमावर्ती नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं होना चाहिए। सशस्त्र सीमा बल, स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर प्रसारित झूठी खबरों पर भी तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। सीमावर्ती गांवों में शांति समितियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से संवाद बढ़ाकर अफवाहों को शुरुआती स्तर पर रोका जा सकता है। भारत और नेपाल के बीच सुरक्षा सहयोग को भी मजबूत करने की आवश्यकता है। दोनों देशों की एजेंसियों को हिंसा फैलाने वाले संगठनों, अवैध धन प्रवाह, हथियारों की तस्करी और डिजिटल प्रचार नेटवर्क से जुड़ी सूचनाएं साझा करनी चाहिए। किसी भी कट्टरपंथी संगठन को खुली सीमा का लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि सुरक्षा के नाम पर किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ भेदभाव न हो। नेपाल सरकार को हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक या उच्चस्तरीय जांच करानी चाहिए।

मौतों, पुलिस कार्रवाई, आगजनी और संपत्ति के नुकसान से जुड़े प्रत्येक मामले की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। दोषियों के विरुद्ध उनके धर्म या राजनीतिक संबंध की परवाह किए बिना कार्रवाई की जाए। यदि पुलिस की ओर से अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है, तो उसकी भी जांच हो। कानून की निष्पक्षता ही लोगों का विश्वास वापस ला सकती है। नेपाल में लगी यह आग भारत के लिए चेतावनी है कि सीमावर्ती शांति को कभी स्थायी मानकर नहीं चला जा सकता। दोनों देशों को मिलकर कट्टरता, अफवाह और हिंसा की राजनीति का सामना करना होगा। नेपाल की स्थिरता भारत के हित में है और भारत की संवेदनशीलता नेपाल के हित में। आवश्यकता भय फैलाने की नहीं, बल्कि समय रहते सतर्क, निष्पक्ष और समन्वित कार्रवाई करने की है। सांप्रदायिक हिंसा का उत्तर किसी दूसरे समुदाय के प्रति संदेह नहीं, बल्कि कानून, संवाद और सामाजिक एकता है। नेपाल सरकार को अब पूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए तराई में विश्वास और शांति बहाल करनी होगी, वरना तराई का यह तनाव दोनों देशों की साझा शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन जाएगा। देवानगंज गांवपालिका ने पुलिस गोलीबारी में मारे गए दो लोगों को स्थानीय स्तर पर शहीद घोषित किया है। नेपाल सरकार से उन्हें आधिकारिक शहीद का दर्जा देने की सिफारिश की गई है दोनों परिवारों को 10-10 लाख नेपाली रुपये की गई है।

जेन-जी आंदोलन का असर न्यायपालिका पर

जंतर मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन का असर पहले जेन-अल्फा पर देखने को मिला है। इसके बाद बाद जिस तरह से न्यायपालिका के बारे में युवा मुखर होकर अपनी बात सोशल मीडिया पर कहने लगे हैं, उससे अंदेशा है कि न्यायपालिका भी निशाने पर आ गई है। कॉकरोच शब्द पहली बार सुप्रीम कोर्ट के अंदर से ही निकला था। यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसे ना तो सरकार ने सोचा था ना ही न्यायपालिका ने सोचा था, लेकिन जिस तरह से बिना किसी डर और भय के सोशल मीडिया के माध्यम से युवा अपनी बात कह रहे हैं।

सनत जैन

इसका असर देश के सभी वर्गों पर पढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां द्वारा न्यायपालिका में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर तीखे सवाल किए गए हैं। उसके बाद से यह मामला भी तूल पकड़ने लगा है। सुप्रीम कोर्ट अथवा न्यायपालिका में कॉलेजियम द्वारा पहले जजों की नियुक्ति के समय जो अनुशंसा की जाती थीं, उसके कारण भी कॉलेजियम में बताए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कॉलेजियम में जो अनुशंसा की जा रही है उनमें चयन का आधार और उसके कारणों की स्पष्टता नहीं होने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जो निर्णय जजों की नियुक्ति के लिए लिए जा रहे हैं उनकी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट में ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ समय से सरकार कॉलेजियम की अनुशंसा को दरकिनार करते हुए मनमाने तरीके से जजों की नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कर रही है। कई जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज करते हुए तथा ट्रांसफर पोस्टिंग के माध्यम से जजों को सीनियर से जूनियर बनाने और अपने इच्छित व्यक्ति को

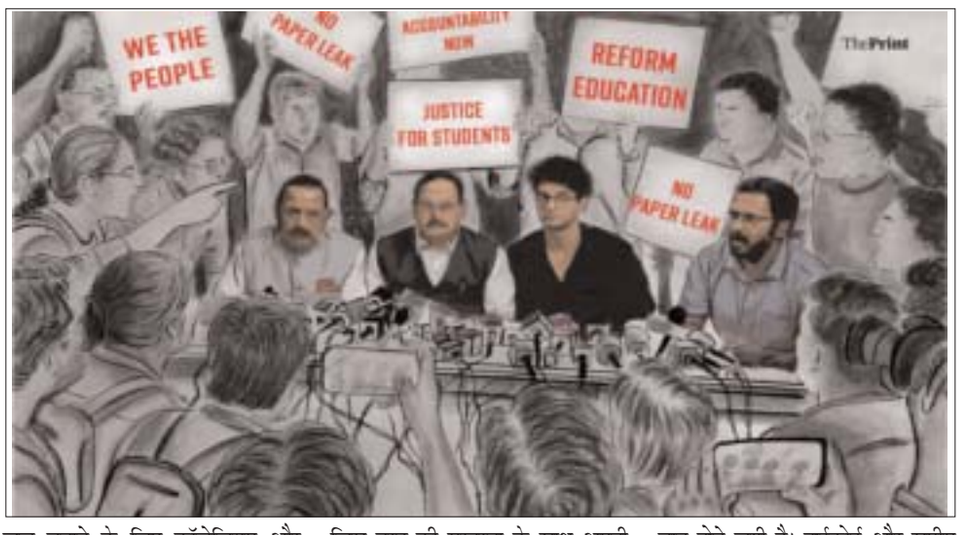

जज बनाने के लिए कॉलेजियम और सरकार के बीच में जो सांठ-गांठ हो रही है उसके बारे में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज भी खुलकर बोलने लगे हैं। कॉलेजियम में शामिल जजों द्वारा जो डीसेंट नोट दिया जाता था उसे भी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर जस्टिस नागरत्ना द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार करते हुए जजों की नियुक्ति मनमाने तरीके से हो रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों के बीच में जिस तरह की मुखरता के साथ अपनी बात कही जा रही है न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अब खुद न्यायपालिका के अंदर से आवाज उठ रही है।

न्यायपालिका का जो डर और भय था लगता है जेन-जी और जेन-अल्फा द्वारा बिना किसी डर और भय के जिस तरह से सड़कों पर आकर अपनी बात कही जा रही है उसने सभी वर्गों का डर और भय निकालने का काम किया है। देशभर में चारों ओर से निष्पक्षता की बात होने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दो तरह के फैसले और दो तरह के कानून को लेकर जो धारणा बनी है उसको लेकर अब देश भर में न्यायपालिका के प्रति भी आक्रोश देखने को मिलने लगा है। न्यायपालिका के प्रति पहले जो विश्वास राजनीतिक दलों और आम जनता के बीच में देखने को मिलता था अब वह देखने को नहीं मिल रहा है। सरकार भी बार-बार कहती है, यदि सरकार का फैसला पसंद नहीं है तो कोर्ट चले जाओ, कोर्ट से वही फैसला आता है जो सरकार का बचाव करता है। कई राज्य सरकारों को केवल इसलिए गिरा दिया गया कि उनका फैसला समय पर नहीं हुआ। कई मामले आज भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित पड़े हुए हैं। जो मौलिक अधिकारों और संविधान से जुड़े हुए थे, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर भी मामला पिछले 2 साल से लंबित पड़ा हुआ है। एसआईआर के मामले में भी चुनाव आयोग को न्यायपालिका का जो सर्वेक्षण मिला है, उसको लेकर तरह-तरह की धारणा न्यायपालिका के प्रति आमजनों के बीच भी बनने लगी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहना की लाखों मतदाताओं के नाम यदि मतदाता सूची में नहीं है वह इस बार वोट नहीं दे पा रहे हैं, तो ट्रिब्यूनल से फैसला होने के बाद अगली बार वोट दे देंगे। अभी तक एसआईआर के माध्यम से लोकसभा चुनाव के समय जो मतदाता सूची थी उसमें से करीब 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चलने के बाद संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अधिकार नागरिकों को मिला हुआ था, उससे वह वंचित कर दिए गए। बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप चुनाव आयोग के ऊपर लगे, पूर्व की चुनाव व्यवस्था को बदलते हुए मनमाने तरीके से चुनाव आयोग ने नए-नए नियम बनाए, नए-नए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया। इस सब की जानकारी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से छुपाई गई। इस सारी गड़बड़ी में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी अप्रत्यक्ष रूप से सहायता चुनाव आयोग को मिलती रही है। लेकिन चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो

याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे उसमें अभी तक कोई फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाए थे उनमें से किसी एक का जवाब भी चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग की मनमानी को लेकर लगातार राजनीतिक दल आवाज उठाते रहे हैं। बहरहाल जिस तरह से न्यायपालिका के पूर्व जजों और न्यायपालिका के वर्तमान जजों द्वारा कॉलेजियम और सरकार को आईना दिखाया जा रहा है, तुरंत इस पर पारिदर्शिता के साथ कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। यही कहा जा सकता है।

जनकल्याणकारी योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर का स्पष्ट संदेश-हर योजना का लाभ समय पर पहुंचे, हर शिकायत का हो त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकास कार्यों को गति देने जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में विभागीय समय-सीमा की समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे, सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे बैठक की शुरुआत कृषि विभाग की समीक्षा से हुई कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के किसी भी किसान को खाद की कमी का सामना नहीं करना पड़े। सभी सहकारी समितियों में समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि, एग्रीस्टैक, खाद-बीज भंडारण एवं वितरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि उन्नति योजना ड्रिप सिंचाई, सॉयल हेल्थ कार्ड तथा एल-नीनो की संभावित स्थिति को देखते हुए अग्रिम तैयारी करने पर जोर दिया उन्होंने सीएससी के माध्यम से एग्रीस्टैक का कार्य तेज करने के निर्देश भी दिए कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग की समीक्षा में जिले के बांधों एवं जलाशयों की वर्तमान जलभराव स्थिति, सिंचाई परियोजनाओं और मरम्मत कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई कलेक्टर ने समय पर मरम्मत कार्य पूर्ण करने तथा संभावित परिस्थितियों के लिए अग्रिम कार्ययोजना तैयार रखने के निर्देश दिए वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में गुणवत्ता के साथ सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने तथा वर्षा के दौरान कटाव एवं क्षति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान एसडीएम एवं तहसीलदारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए। लंबित ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराने तथा पात्र हितग्राहियों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि पेंशन और राशन वितरण जिले की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने प्रत्येक पात्र हितग्राही को समय पर पेंशन उपलब्ध कराने, दिव्यांग छात्रवृत्ति तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति तेज करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने सीएम पोर्टल मुख्यमंत्री जनदर्शन, प्रधानमंत्री पोर्टल कलेक्टर जनदर्शन लोक सेवा गारंटी, सीसीएमएस पोर्टल तथा सुशासन तिहार-2026 के लंबित मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कोई भी शिकायत अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन का कोई भी प्रकरण एल-3 स्तर तक नहीं पहुंचना चाहिए तथा सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कर स्पेशल क्लोजर में दर्ज किया जाए कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा में सीमांकन, बंटवारा खाता विभाजन अविवादित खाता विभाजन डायवर्सन त्रुटि सुधार प्रधानमंत्री आवास तथा नवीन राशन कार्ड से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए वहीं नगरीय निकायों की समीक्षा में कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए आवारा पशुओं को सड़कों से हटाने, घुमंतू कुत्तों का रेबीज टीकाकरण कराने तथा नगरीय क्षेत्रों में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही अमृत जल मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की गई महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में आधार अपडेट बैंक खातों की केवाईसी महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रैकर, वृद्धि निगरानी तथा एनआरसी में दर्ज बच्चों की स्थिति की समीक्षा की गई कलेक्टर ने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए वहीं जिला पंचायत की योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन, समर्थ पोर्टल तथा ग्राम पंचायतों की जियो टैगिंग की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी योजनाओं में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए।

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए 50 लाख तक का ऋण, ब्याज दर 5 से 9 प्रतिशत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम, रायपुर ने दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु संशोधित ऋण मार्गदर्शिका जारी की है। इसके तहत पात्र दिव्यांगजन अब अधिकतम 50 लाख रुपये तक का ऋण रियायती ब्याज दर पर प्राप्त कर सकेंगे। जिला समाज कल्याण कार्यालय, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) ने पात्र हितग्राहियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं नई व्यवस्था के अनुसार 50 हजार रुपये तक के ऋण पर 5 प्रतिशत, 50 हजार से 5 लाख रुपये तक 6 प्रतिशत, 5 लाख से 15 लाख रुपये तक 7 प्रतिशत, 15 लाख से 30 लाख रुपये तक 8 प्रतिशत तथा 30 लाख से 50 लाख रुपये तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज निर्धारित किया गया है वहीं शैक्षणिक ऋण पर मात्र 4 प्रतिशत ब्याज देना होगा। दिव्यांग महिलाओं को, अस्थि बाधित श्रेणी को छोड़कर, स्वरोजगार ऋण की ब्याज दर में 1 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट भी मिलेगी साथ ही समय पर ऋण चुकाने वालों को ब्याज पर 25 प्रतिशत तक उत्थान सब्सिडी का लाभ मिलेगा योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का छत्तीसगढ़ का स्थायी निवासी होना, 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, यूडीआईडी कार्ड तथा आधार कार्ड होना अनिवार्य है। आवेदक को प्रस्तावित व्यवसाय का प्रशिक्षण, अनुभव या आवश्यक शैक्षणिक योग्यता भी होना चाहिए वाहन ऋण के मामलों में राशि सीधे संबंधित एजेंसी को जारी की जाएगी वाहन का संयुक्त पंजीयन अनिवार्य बीमा तथा निर्धारित शर्तों का पालन करना होगा इच्छुक दिव्यांगजन निवास प्रमाण-पत्र, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, परियोजना प्रतिवेदन एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला समाज कल्याण कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में आवेदन जमा कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

दिव्यांग दंपतियों को विवाह पर मिलेगा 1 लाख रुपये तक का प्रोत्साहन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र दिव्यांग दंपतियों को विवाह के लिए 1 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी योजना का उद्देश्य दिव्यांगजनों के सामाजिक पुनर्वास को बढ़ावा देना तथा उन्हें सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन के लिए प्रोत्साहित करना है विभाग ने पात्र हितग्राहियों से ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है योजना के अनुसार यदि विवाह एक दिव्यांग एवं एक सामान्य व्यक्ति के बीच होता है तो 50 हजार रुपये तथा यदि वर-वधू दोनों दिव्यांग हैं तो 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि संयुक्त रूप से एकमुश्त प्रदान की जाएगी आवेदन समाज कल्याण विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जा सकेगा, जिसमें आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन कॉपी JPG अथवा PDF प्रारूप में अपलोड करनी होगी। आवेदन के लिए आयु प्रमाण-पत्र, विवाह या विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र, मूल निवास, आय एवं जाति प्रमाण-पत्र, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, यूडीआईडी नंबर, संयुक्त फोटो, बैंक पासबुक की प्रति तथा निर्धारित करार विलेख सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा योजना का लाभ लेने के लिए दंपति में से कम से कम एक व्यक्ति का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए साथ ही कम से कम एक व्यक्ति की दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होना आवश्यक है विवाह के समय युवक की आयु 21 से 45 वर्ष तथा युवती की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए विवाह वैधानिक रूप से संपन्न होना चाहिए और दंपति में से कोई भी आयकरदाता नहीं होना चाहिए। समाज कल्याण विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन में दी गई जानकारी या दस्तावेज असत्य अथवा कूटरचित पाए जाने पर प्रदान की गई अनुदान राशि भू-राजस्व की तरह वसूल की जाएगी। विभाग ने पात्र दिव्यांग दंपतियों से समय पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

हाईवे पर हादसे रोकने अनोखी पहल, आवारा मवेशियों को पहनाए जा रहे रेडियम बेल्ट

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर आवारा मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिला प्रशासन ने अनूठी पहल शुरू की है कलेक्टर के निर्देश पर पशुधन विकास विभाग द्वारा हाईवे पर घूमने वाले निराश्रित पशुओं के गले में रेडियम बेल्ट पहनाए जा रहे हैं ताकि रात के समय वाहन चालकों को उनकी मौजूदगी दूर से दिखाई दे सके अभियान के लिए जिला स्तर पर चार टीमों का गठन किया गया है जो 28 जुलाई से नगरीय निकायों के सहयोग से लगातार कार्य कर रही हैं पीडब्ल्यूडी तिराहा एलआईसी कार्यालय, खेड़िया टॉकीज सिद्धबाबा मंदिर घाट और घुटरीटोला बैरियर सहित संवेदनशील स्थानों पर आवारा पशुओं को चिन्हित कर रेडियम बेल्ट लगाए जा रहे हैंअब तक खोंगापानी क्षेत्र में 50, मनेन्द्रगढ़ में 47 नागपुर क्षेत्र में 43 तथा कठौतिया-बेलबहरा क्षेत्र में 15 सहित 150 से अधिक पशुओं को रेडियम बेल्ट पहनाए जा चुके हैं पशु चिकित्सा विभाग के अनुसार रात में वाहनों की हेडलाइट पड़ते ही बेल्ट चमकेंगे जिससे चालक समय रहते सतर्क हो सकेंगे और दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी जिला प्रशासन ने पशुपालकों से अपने मवेशियों को हाईवे पर खुला न छोड़ने तथा वाहन चालकों से विशेषकर रात्रि के समय निर्धारित गति सीमा का पालन करते हुए सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

जनसुनवाई में उजागर हुई बड़ी लापरवाही : जीवित युवक को रिकॉर्ड में किया मृत, आदिवासी ग्रामीणों ने महीनों से राशन नहीं मिलने की लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान आदिवासी समुदाय से जुड़ी दो गंभीर शिकायतें सामने आईं पहली शिकायत रन्नौद नगर परिषद की बड़ी प्रशासनिक लापरवाही से जुड़ी रही जिसमें एक जीवित युवक को सरकारी रिकॉर्ड में मृत दर्ज कर दिया गया वहीं दूसरी शिकायत खनियाधाना विकासखंड के ढोंगा गांव के आदिवासी ग्रामीणों ने कई महीनों से राशन नहीं मिलने और वितरण में अनियमितताओं को लेकर की कलेक्टर ने दोनों मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। रन्नौद नगर परिषद के वार्ड क्रमांक-14 निवासी गिलटा आदिवासी ने बताया कि उनके पिता जिगना आदिवासी का 24 अक्टूबर 2022 को निधन हो गया था वर्ष 2023 में नगर परिषद से मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाया गया लेकिन अशिक्षा के कारण परिवार उसमें दर्ज विवरण की जांच नहीं कर सका। बाद में पता चला कि अधिकारियों ने पिता के स्थान पर गिलटा आदिवासी को ही मृत घोषित कर उनका मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी कर दिया इसके कारण उनका राशन, सरकारी योजनाओं का लाभ और अन्य सुविधाएं बंद हो गईं। आधार रिकॉर्ड में भी उन्हें मृत दर्ज कर दिया गया जमीन के नामांतरण के दौरान हुई जांच में यह गलती सामने आई पीड़ित ने बताया कि वह लगभग एक वर्ष से रिकॉर्ड में सुधार के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। जनसुनवाई में उसने रिकॉर्ड दुरुस्त कर सभी सुविधाएं बहाल करने की मांग की इसी दौरान खनियाधाना क्षेत्र के ढोंगा गांव से पहुंचे दर्जनों आदिवासी ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्हें पिछले तीन से चार महीने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन नहीं मिला है। ग्रामीणों का कहना है कि राशन वितरण में गंभीर अनियमितताएं हो रही हैं जिससे उनके परिवारों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया है उन्होंने दोषी अधिकारियों और संबंधित राशन विक्रेता के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने तथा नियमित रूप से खाद्यान्न जनसुनवाई में सामने आए इन दोनों मामलों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने और पात्र हितग्राहियों को राहत दिलाने के निर्देश दिए हैं।

नैनो डीएपी से बदली खेती की तस्वीर, बंजी के किसानों ने पेश की सफलता की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रयोग से खेती को अधिक लाभदायक बनाने की दिशा में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम बंजी के प्रगतिशील किसान सिया बाई और राय सिंहने नई मिसाल कायम की है दोनों किसानों ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चैनपुर से प्राप्त इफको नैनो डीएपी का अपनी फसलों में प्रयोग कर कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल किया है उनके सकारात्मक अनुभव अब क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं किसानों के अनुसार पारंपरिक डीएपी उर्वरक की तुलना में नैनो डीएपी का कम मात्रा में उपयोग करने पर भी फसलों को पर्याप्त पोषण मिला। इससे पौधों की बढ़वार संतुलित रही हरियाली

लंबे समय तक बनी रही और जड़ों का विकास भी बेहतर हुआ परिणामस्वरूप फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार देखने को मिला जबकि उर्वरक पर होने वाला खर्च भी कम हुआ प्रगतिशील किसान सिया बाई ने बताया कि शुरुआत में उन्हें नैनो डीएपी के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी कृषि विभाग के मार्गदर्शन और सहकारी समिति की सलाह पर उन्होंने इसका प्रयोग किया फसल के बेहतर परिणाम मिलने के बाद उनका खेती के प्रति भरोसा और बढ़ा है उनका कहना है कि कम लागत में अच्छी पैदावार मिलने से आय बढ़ने की नई उम्मीद जगी है वहीं किसान राय सिंह ने बताया कि नैनो डीएपी का उपयोग सरल है और इसका असर फसलों पर स्पष्ट दिखाई देता है पहले जहां अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों की जरूरत पड़ती थी वहीं अब कम मात्रा में ही पौधों को पर्याप्त पोषण मिल रहा है इससे खेती की लागत कम होने के साथ लाभ में भी वृद्धि हुई है दोनों किसानों ने जिले के अन्य किसानों से भी आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार नैनो डीएपी का उपयोग करने की अपील की है उनका मानना है कि वैज्ञानिक खेती और आधुनिक नवाचारों के माध्यम से कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सकता है ग्राम बंजी के इन किसानों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि नई तकनीक अपनाकर किसान अपनी आय और उत्पादन दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।

बेलतरा के 10 गांवों में बनेंगे सामुदायिक भवन, 11 स्थानों पर सीसी रोड; 3.61 करोड़ रुपये स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर 3.61 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी मिली है। विधायक सुशांत शुक्ला की पहल पर 10 ग्रामों में सामुदायिक भवन और 11 स्थानों पर सीसी रोड निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है आधिकारिक जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने मंडी बोर्ड निधि से बिल्हा विकासखंड की 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ 59 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं प्रत्येक भवन के लिए करीब 15.90 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है सामुदायिक भवनों का निर्माण अकलतरी, बाम्हू, बांका, बसहा, भाड़ी, भरारी, भिल्ली, बिटकुली उत्तर, चोरहादेवरी और धौंरामुड़ा में किया जाएगा इसके अलावा 11 स्थानों पर सीसी रोड निर्माण के लिए 2 करोड़ 2 लाख 55 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है इन सड़कों का निर्माण परसदा (स) लखराम, लोफन्दी, धौरामुड़ा, खैरखुंडी, कोरबी, भील्मी, लगरा और पौसरा सहित अन्य क्षेत्रों में किया जाएगा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क और सामुदायिक सुविधाएं विकास की मजबूत नींव हैं इन कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बरसात के दिनों में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।

भाजयुमो ने जारी की मंडल प्रभारियों की सूची, अमर अग्रवाल समर्थक नेताओं को मिली अहम जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष वैभव गुप्ता ने मंडल प्रभारी और सह-प्रभारियों की नियुक्ति सूची जारी कर दी है। नई नियुक्तियों में बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के छह मंडलों में विधायक एवं पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल की टीम का प्रभाव दिखाई दिया है सूची के अनुसार बिलासपुर पश्चिम मंडल में राहुल सिंह, दक्षिण मंडल में गिरजा यादव, मध्य मंडल में महर्षि वाजपेयी, पूर्वी मंडल में विवेक ताम्रकार, उत्तर मंडल में मोनू रजक और रेलवे मंडल में अमित सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है वहीं बिल्हा और तखतपुर विधानसभा क्षेत्रों के मंडलों में भी नए और पुराने कार्यकर्ताओं को संगठन की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी ने इन नियुक्तियों के जरिए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और युवाओं को अधिक सक्रिय भूमिका देने की रणनीति बनाई है भाजयुमो पदाधिकारियों के अनुसार, मंडल प्रभारी और सह-प्रभारी संगठन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के साथ ही युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे मध्य मंडल के प्रभारी बनाए गए महर्षि वाजपेयी ने नियुक्ति पर संगठन के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना, अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाना रहेगा।

जनदर्शन में उमड़ी फरियादियों की भीड़, कलेक्टर ने गंभीर शिकायतों को सुना, त्वरित निराकरण के दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के दूर-दराज के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की शिकायत को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाएगा।

आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित अनेक आवेदन प्राप्त हुए। इनमें भूमि विवाद, सीमांकन, नामांतरण, वनाधिकार पट्टा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य सुविधाएं, सिंचाई व्यवस्था, निर्माण कार्यों का भुगतान, ऑनलाइन राजस्व अभिलेखों में सुधार, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, सहकारी समिति से जुड़े प्रकरण तथा अन्य जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन शामिल रहे जनदर्शन में इंद्रजीत सिंह छाबड़ा निवासी चिरमिरी ने जन चौपाल (जनदर्शन) पोर्टल पर दर्ज शिकायत एवं नगर पालिका निगम चिरमिरी में कथित रॉयल्टी घोटाले के संबंध में एफआईआर दर्ज कराने का आवेदन प्रस्तुत किया। अभिनय तिवारी निवासी कनौज तथा राम प्रसाद सिंह निवासी मनेंद्रगढ़ ने भूमि संबंधी प्रकरणों के निराकरण की मांग की रमाकांत पाण्डेय, सहायक प्रबंधक, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति ने कोटाडोल समिति का प्रभार दिलाने का आवेदन प्रस्तुत किया, जबकि प्रदीप कुमार विश्वकर्मा निवासी मनेंद्रगढ़ ने राशि हड़प किए जाने की शिकायत दर्ज कराई चंद्रवती बैगा निवासी बरहोरी ने शासकीय भूमि का वनाधिकार पट्टा दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। मंगल सिंह निवासी मलकडोल ने पट्टे की भूमि में लगी धान की फसल को राममहीपत सिंह एवं अन्य लोगों द्वारा जबरन जोतकर नष्ट करने की शिकायत की जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए राजस्व संबंधी मामलों में रमाशंकर गुप्ता निवासी मनेंद्रगढ़ ने सीमांकन, अनीश अंसारी निवासी खोंगापानी ने ऑनलाइन रिकॉर्ड एवं नामांतरण संबंधी समस्या तथा आशीष कुमार निवासी चिरमिरी ने ऑनलाइन रिकॉर्ड दुरुस्त कर फौती नामांतरण के आधार पर नाम दर्ज करने का आवेदन प्रस्तुत किया ग्राम पंचायत खड़गवां के सरपंच ने निर्माण कार्यों की लंबित राशि के भुगतान की मांग रखी। वहीं प्रदीप तिग्गा निवासी रोझी ने सर्वे की गई भूमि पर नर्सरी एवं प्लांटेशन लगाए जाने की शिकायत दर्ज कराई ओमप्रकाश निवासी रोकड़ा ने अतिरिक्त भवन निर्माण की द्वितीय किश्त की राशि जारी करने का आवेदन दिया।

45 करोड़ के नकली नोटों के सौदे में कारोबारी से 1.13 करोड़ की ठगी, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर में 45 करोड़ रुपये के नकली नोट देने का झांसा देकर कारोबारी से 1.13 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आए आरोपियों ने रकम लेने के बाद कारोबारी को नकली नोटों की खेप देने के बजाय फरार हो गए मामले की जांच तेलीबांधा थाना पुलिस कर रही है पुलिस के अनुसार, प्राइवेट फर्म संचालक उमेश गुप्ता की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है शिकायत में बताया गया कि आरोपियों ने दावा किया था कि उनके पास बड़ी मात्रा में नकली नोट हैं और 1.13 करोड़ रुपये के बदले 45 करोड़ रुपये के नकली नोट उपलब्ध करा देंगे सौदे को लेकर रायपुर और महाराष्ट्र में कई दौर की बैठकें हुईं आरोपियों ने खुद को बड़े नेटवर्क से जुड़ा बताकर कारोबारी को भरोसा दिलाया इसके बाद कारोबारी ने अलग-अलग किस्तों में 1.13 करोड़ रुपये दे दिए रकम मिलने के बाद आरोपी नकली नोटों की डिलीवरी में देरी का बहाना बनाते रहे काफी समय बीतने के बाद भी न तो नोट मिले और न ही रकम वापस की गई पुलिस होटल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि कथित नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं।

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में युवाओं ने दिया नशा मुक्त विकसित भारत बनाने का संदेश

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित माय भारत सीहोर द्वारा सीहोर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नशामुक्त भारत के उद्देश्य से प्रतियोगिताओं एवं विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशामुक्त भारत का संकल्प लेते हुए संगीत एवं नृत्य, नाटक, नुक्कड़ नाटक, मूकाभिनय, चित्रकला, लघु फिल्म, वाद-विवाद, नारा लेखन तथा स्लैम पोएट्री जैसी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता प्रतिभागी राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में युवाओं को नशामुक्ति के विभिन्न आयाम बताए गए और जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा स्वस्थ एवं जागरूक भारत के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला जेल उप अधीक्षक दिलीप नायक, प्रभारी प्राचार्य डॉ शीलचंद गुप्ता, हिताय संस्था के उमेश पंसारी सहित प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

रायसेन में 10 दिन से बारिश गायब

सूखने लगे धान के खेत, 50 गांवों में अधूरी रोपाई, ट्यूबवेल भी देने लगे जवाब

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन में मानसून की बेरुखी ने जिले में धान की खेती पर संकट खड़ा कर दिया है। पिछले 10 दिनों से अच्छी बारिश नहीं होने के कारण धान के खेत सूखने लगे हैं। भूजल स्तर गिरने से ट्यूबवेल भी जवाब देने लगे हैं, जिससे किसानों के सामने फसल बचाने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। कई किसानों का कहना है कि यदि अगले दो-तीन दिनों में तेज बारिश नहीं हुई तो दोबारा रोपाई करनी पड़ सकती है।

20-25 दिन देरी से शुरू हुई थी रोपाई: बारिश की कमी के कारण इस बार धान की रोपाई सामान्य से 20 से 25 दिन देरी से शुरू हुई। किसानों ने शुरुआती दौर में ट्यूबवेल के सहारे रोपाई तो कर ली, लेकिन अब लगातार सिंचाई के कारण ट्यूबवेल का जलस्तर भी तेजी से घट रहा है।

50 गांवों में आधी रोपाई अब भी अधूरी: सांची विकासखंड के दीवानगंज, सेमरा, अंबाड़ी, नरखेड़ा, जमुनिया समेत करीब 50 गांवों में आधी से अधिक धान की रोपाई अब भी अधूरी है। जिन खेतों में रोपाई हो चुकी है, वहां नमी खत्म होने लगी है और पौधे सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं।

सुबह तक फिर सूख जाते हैं खेत: किसान दिनभर ट्यूबवेल से सिंचाई कर रहे हैं, लेकिन पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण सुबह तक खेत दोबारा सूख जाते हैं। भूजल का पुनर्भरण नहीं होने से कई इलाकों में ट्यूबवेल भी कम पानी देने लगे हैं।

दोबारा रोपाई का खतरा, बढ़ेगी लागत: किसानों का कहना है कि यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो दोबारा रोपाई करनी पड़ेगी। इससे बीज, मजदूरी, डीजल और बिजली पर अतिरिक्त खर्च आएगा, जिससे धान की खेती और महंगी हो जाएगी।

किसानों ने जताई चिंता: किसान जितेंद्र साहू ने बताया कि एक महीने पहले धान की पौध तैयार कर ली थी, लेकिन बारिश नहीं होने से रोपाई प्रभावित हुई।

वहीं किसान रघुवीर सिंह मीणा का कहना है कि धान का रोप बड़ा हो चुका है। यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो पूरी फसल प्रभावित हो सकती है और दोबारा रोपाई करनी पड़ेगी।

लॉन्ग ड्राइव से इनकार...30 सेकेंड में चाकू से 35 वार

रतलाम में 7 साल की बेटी के सामने पिता ने किया था मां का मर्डर, पुलिस ने जब्त किया फोन

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम में पत्नी की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में फॉरेंसिक साइंस की टीम ने नया खुलासा किया है। लॉन्ग ड्राइव पर जाने से मना किया तो आरोपी पति ने महज 30 सेकेंड में करीब 35 बार चाकू से हमला किया। गले पर लगातार वार होने से सांस नली की नस कट गई और अत्यधिक खून बहने से 33 वर्षीय रुकैया की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी असगर अली को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया है। मामले में दोनों के मोबाइल डेटा और फॉरेंसिक साक्ष्यों की जांच जारी है। हत्या के बाद दोनों बच्चे नाना-नानी के घर पर हैं। परिजन ने उन्हें यही बताया है कि उनकी मां अस्पताल में भर्ती है। परिवार अब भी सदमे में है।

एफएसएल अधिकारी डॉ. अतुल मित्तल ने व्यक्ति अत्यधिक आवेश में बहुत कम समय में लगातार कई वार कर सकता है। उनके अनुसार 30 सेकेंड में 30 से 40 बार चाकू से हमला करना संभव है।

सब्जी काटने वाले चाकू से किया हमला: पुलिस पूछताछ में आरोपी असगर अली ने बताया कि वह पत्नी के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाना चाहता था। पत्नी के मना करने पर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद उसने घर में रखे सब्जी काटने वाले चाकू से पत्नी के गले और सीने पर लगातार वार कर दिए।

घटना के समय दोनों बच्चे मौजूद थे: घटना के समय घर में दोनों बच्चे मौजूद थे। शोर सुनकर सात वर्षीय बेटी नीचे आई तो उसने पिता को मां पर चाकू से हमला करते देखा। वह बाहर भागी और पड़ोसियों को बुलाया। लोगों के पहुंचने तक आरोपी हमला करता रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

● घटनास्थल से मोबाइल फोन जब्त

सोमवार को माणक चौक थाना प्रभारी विक्रम सिंह चौहान पुलिस टीम के साथ आरोपी को घटनास्थल पर लेकर पहुंचे। हत्या वाले कमरे से आरोपी का मोबाइल जब्त किया गया। पुलिस ने पति-पत्नी दोनों के मोबाइल कब्जे में लेकर कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी है।

● डिप्रेशन और कारोबार की भी जांच

आसपास के लोगों और रिश्तेदारों के अनुसार आरोपी का मोबाइल कारोबार छह महीने से ठीक नहीं चल रहा था। बोहरा समाज रतलाम के प्रवक्ता सलीम आरिफ ने बताया कि असगर अली छह महीने से डिप्रेशन का इलाज करा रहा था। घटना से एक दिन पहले पत्नी उसे इलाज के लिए इंदौर भी लेकर गई थी। पुलिस ने अभी तक डिप्रेशन को हत्या का आधिकारिक कारण नहीं माना है और सभी पहलुओं की जांच जारी है।

● जेल में आरोपी की काउंसलिंग कराई जाएगी

जेल प्रशासन के अनुसार, आरोपी गुमसुम रहा और पूछताछ में स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। जेल उप अधीक्षक ब्रजेश मकवाने ने बताया कि उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए मेडिकल जांच और काउंसलिंग कराई जाएगी।

● हत्या वाले दिन मजलिस में नहीं गई थी रुकैया

परिजन और समाज के लोगों के अनुसार, रुकैया मुहर्रम से चेहल्लुम तक प्रतिदिन मस्जिद में मजलिस में शामिल होती थी। हत्या वाले दिन उसने वॉट्सएप पर मैसेज भेजकर बताया था कि वह नहीं आ सकेगी।

स्कूटी चोरी के दो आरोपियों को एक-एक साल ट्रिपल सजा

3 महीने के ट्रायल में राजीनामा हो चुका था, हाईकोर्ट से भी खारिज हुई थी जमानत

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) अदालत ने स्कूटी चोरी और फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उसे चलाने के मामले में दो आरोपियों को 3 अलग-अलग धाराओं में एक-एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक धारा में 500-500 रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है। इस तरह दोनों आरोपियों को एक-एक साल की सजा और 3 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। खास बात यह रही कि, मामले के दौरान फरियादी ने आरोपियों से राजीनामा कर लिया था, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध मानते हुए सजा सुनाई। पुलिस के अनुसार अभियोग पत्र पेश होने के बाद महज 3 माह 22 दिन में मामले का फैसला आ गया। अदालत ने जिन आरोपियों को दोषी ठहराया, उनमें युसुफ उर्फ गोलू, पिता फैय्याज खान, निवासी बंगलादेश घासपुरा और छोटू, पिता इकबाल पठान, निवासी पड़ावा शामिल हैं।

घर के बाहर से चोरी हुई थी स्कूटी: कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार, विठ्ठल मंदिर क्षेत्र निवासी आनंद राधेश्याम सोनी (27) ने 18 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि 15-16 फरवरी की रात उसके घर के बाहर खड़ी एक्टिवा स्कूटी चोरी हो गई। इस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

फर्जी नंबर प्लेट से चला रहे थे चोरी की स्कूटी: 21 फरवरी को फरियादी ने रेलवे स्टेशन तिराहे पर अपनी स्कूटी जैसी एक गाड़ी देखी। रंग, डेंट और अन्य निशानों से उसने स्कूटी पहचान ली। हालांकि उस पर MP12MH2611 नंबर की प्लेट लगी हुई थी। शक होने पर उसने स्कूटी चला रहे युवक युसुफ उर्फ गोलू को पकड़कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस ने इंजन और चेसिस नंबर की जांच की तो पुष्टि हुई कि वह स्कूटी आनंद सोनी की ही है। जांच में सामने आया कि चोरी छिपाने के लिए स्कूटी पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। इसके बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 336(3) और 340(2) भी जोड़ी।

साथी आरोपी के घर से मिली असली नंबर प्लेट: पूछताछ में युसुफ ने अपने साथी छोटू का नाम बताया। पुलिस ने छोटू को गिरफ्तार किया और उसके घर से स्कूटी की मूल नंबर प्लेट बरामद की।

स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन की तैयारियों के संबंध में दिशा निर्देश

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त समारोह आयोजन पूर्व की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा आज कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक जबावदेंही सौंपते हुए कहा कि जिम्मेदारियों का क्रियान्वयन समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। जिला मुख्यालय पर मुख्य समारोह गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी पुलिस परेड ग्राउण्ड पर आयोजित किया जाएगा। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने पुलिस परेड ग्राउण्ड पर की जाने वाली तमाम व्यवस्थाओं के परिपेक्ष्य में बिदुंवार चर्चा करते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्य समारोह में देश भक्ति भावना से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के लिए स्कूलो के कार्यक्रमों का चयन कर रिहर्सल के संबंध में दिशा निर्देश दिए है। बैठक में बताया गया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम व परेड की फायनल रिहर्सल पुलिस परेड ग्राउण्ड पर आयोजित की जाएगी। बैठक में आमंत्रण कार्ड छपवाने, वितरण, के अलावा शासकीय अधिकारी, कर्मचारी जिनके द्वारा उल्लेखनीय प्रगति हासिल की गई है। उन्हें पुरस्कृत करने के प्रस्ताव दस अगस्त तक कलेक्टेऊट कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। पुरस्कृत चयन के लिए अनुशंसित अधिकारी, कर्मचारी की विशिष्ट उपलब्धियों को अनिवार्य रूप से रेखांकित किया जाए। जिला मुख्यालय के साथ-साथ तहसील, जनपद स्तर, सभी शैक्षणिक संस्थाओं में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

नर्मदापुरम में 25 साल बाद हत्या का आरोपी गिरफ्तार

महाराष्ट्र में ठेकेदार बनकर पहुंची पुलिस, मजदूर मांगने के बहाने दबोचा

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में हत्या के बाद 25 साल तक पुलिस को चकमा देता रहा आरोपी आखिरकार गिरफ्तार हो गया। पथरौटा थाना पुलिस ने महाराष्ट्र के जलगांव में ठेकेदार बनकर सिविल ड्रेस में ऑपरेशन चलाया। पुलिसकर्मियों ने पहले उससे मजदूर उपलब्ध कराने की बात की। जैसे ही आरोपी बातचीत के लिए पहुंचा, टीम ने उसे दबोच लिया और अपनी पहचान बताई। आरोपी को 2001 में हुई हत्या के मामले में गिरफ्तार कर नर्मदापुरम लाया गया है।

हत्या के बाद रेलवे पुलिया के पास फेंक दी थी लाश: पथरौटा थाना प्रभारी मोनिका गौर ने बताया कि आरोपी राजाराम पिता बारेलाल (50) बैतूल जिले के डाबरी बीजादेही गांव का रहने वाला है। जून 2001 में इटारसी निवासी देवीप्रसाद उर्फ गोटू उईके (33) नजरपुर गांव कच्ची शराब लेने गया था। उसी दौरान ससुराल आए राजाराम से उसका विवाद हुआ। झगड़े में देवीप्रसाद की मौत हो गई। आरोपी शव को रेलवे लाइन की पुलिया के नीचे फेंककर फरार हो गया। जीआरपी से पथरौटा थाने पहुंचा था मामला शव मिलने के बाद पहले जीआरपी ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। बाद में घटनास्थल पथरौटा थाना क्षेत्र का होने के कारण केस डायरी स्थानीय पुलिस को सौंप दी गई, जहां हत्या का मामला दर्ज किया गया।

25 साल तक हर बार पुलिस को देता रहा चकमा: पुलिस के मुताबिक आरोपी को पकड़ने के लिए पिछले 25 वर्षों में कई बार दबिश दी गई, लेकिन हर बार वह फरार हो जाता था। लगातार ठिकाने बदलने के कारण वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहा।

महाराष्ट्र में मजदूरी से ठेकेदारी तक पहुंचा: हत्या के बाद आरोपी महाराष्ट्र चला गया। शुरुआती वर्षों में उसने मजदूरी की, फिर मजदूर उपलब्ध कराने का काम शुरू कर दिया। वर्तमान में वह जलगांव के एक स्कूल में चौकीदार के रूप में काम कर रहा था। मोबाइल लोकेशन से मिला सुराग, ठेकेदार बनकर पहुंची टीम पुलिस ने परिजनों से आरोपी का हुलिया, फोटो और मोबाइल नंबर जुटाया।

बेरखेड़ी कलां में क्षतिग्रस्त पुलिया बनी मुसीबत

पानी के बीच से नदी पार कर स्कूल जा रहीं छात्राएं, ग्रामीणों की मांग- जल्द हो मरम्मत

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर के रहली विकासखंड की ग्राम पंचायत बेरखेड़ी कलां में विद्यार्थी जान जोखिम में डालकर नदी पार कर स्कूल जा रहे हैं। नदी पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त है। इस कारण विद्यार्थी स्कूल जाने के लिए पानी के बीच से होकर निकलने मजबूर हैं। ऐसे में हमेशा अनहोनी का खतरा बना रहता है। नदी में पानी के बीच छात्राओं के निकलते हुए का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। दरअसल, रहली जनपद पंचायत के ग्राम बेरखेरी कलां में कोपरा नदी पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त है। पुलिया क्षतिग्रस्त होने के कारण स्कूली छात्र-छात्राओं को पानी के बीच से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

वीडियो में नदी के पानी के बीच छात्राएं ग्रामीणों के सहारे एक-एक कर क्षतिग्रस्त पुलिया पार कर रही हैं। यह रास्ता बेरखेरी कलां और चेनपुरा गांव के विद्यार्थियों के लिए स्कूल पहुंचने का प्रमुख मार्ग है। बारिश के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने से खतरा और बढ़ जाता है।

गांव जाने वैकल्पिक मार्ग भी है: हालांकि गांव तक पहुंचने के लिए करीब 3 किलोमीटर लंबा दूसरा वैकल्पिक मार्ग भी मौजूद है। लेकिन अधिकांश ग्रामीण और विद्यार्थी इसी पुलिया से आवागमन कर रहे हैं। ग्रामीणों की मानें तो पुलिया लंबे समय से क्षतिग्रस्त है। इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है।

स्कूल जाने रास्ता सीधा होने के कारण विद्यार्थियों इसी रास्ते से आवागमन करते हैं।

मंदसौर में थमा मानसून, दो दिन से नहीं बरसे बादल

अब तक 15.48 इंच बारिश हुई, पिछले साल से 5 इंच कम, अगले 4 दिन रुक-रुककर बरसात

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मानसून की रफ्तार एक बार फिर धीमी पड़ गई है। रविवार को आखिरी बार बारिश दर्ज होने के बाद सोमवार और मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी जिले के अधिकांश हिस्सों में बारिश नहीं हुई।

बारिश रुकने के कारण लोगों को एक बार फिर गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई है और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में बारिश की संभावना जताई है।

दो दिन से जिले में नहीं हुई बारिश: जिला मुख्यालय सहित जिले के अधिकांश क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से बारिश नहीं हुई है। दलौदा, अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा सहित कई क्षेत्रों में मौसम सूखा रहा। बादलों की मौजूदगी के बावजूद बारिश नहीं होने से लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

इस सीजन में अब तक 15.48 इंच बारिश: मंदसौर जिले में वर्तमान मानसून सीजन में अब तक कुल 15.48 इंच बारिश दर्ज की गई है। हालांकि यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में कम है।

वर्ष 2025 में इसी अवधि तक जिले में करीब 20 इंच बारिश हो चुकी थी। इस हिसाब से इस बार अब तक लगभग 5 इंच कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

तापमान में हल्की गिरावट, उमस बढ़ी: बारिश नहीं होने के बावजूद तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। वर्तमान में जिले का तापमान करीब 28 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है।

मौसम साफ रहने के कारण दिन में उमस बढ़ गई है। लोगों को गर्मी से राहत के लिए बारिश का इंतजार है।

● अगले चार दिनों में बारिश के संकेत

मौसम विभाग के अनुसार जिले में अभी मानसूनी परिस्थितियां बनी हुई हैं। विभाग ने अगले चार दिनों का पूर्वानुमान जारी करते हुए हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। 5 अगस्त को जिले में बादल छाए रहने और रुक-रुककर हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 6 अगस्त को गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना अधिक जताई गई है। वहीं 7 से 10 अगस्त के बीच तापमान में गिरावट आने के साथ अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

● 9 अगस्त को अच्छी बारिश के संकेत

मौसम विभाग के अनुसार इस अवधि में जिले के कई स्थानों पर अच्छी बारिश हो सकती है। 9 अगस्त को अपेक्षाकृत अधिक वर्षा होने के संकेत मिले हैं। बारिश का नया दौर शुरू होने से किसानों और आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

● येलो अलर्ट जारी, तेज हवा और बिजली गिरने की संभावना

भारत मौसम विभाग ने मंदसौर जिले के लिए अगले 24 घंटे का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान जिले में कहीं-कहीं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने, गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है।

सीहोर में पिकअप से 1187 लीटर अवैध शराब जब्त

स्नैक्स बोरियों के नीचे छिपी 6.46 लाख की खेप, पुलिस देखते ही आरोपी भागे

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में बुधनी थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए स्नैक्स सामग्री और सब्जी की क्रेटों के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही 1187.28 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने बोलेरो पिकअप वाहन भी जब्त कर लिया है, जबकि चालक पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया। जब्त शराब की कीमत 6.46 लाख रुपये से अधिक बताई गई है।

मुखबिर की सूचना पर की घेराबंदी: एसडीओपी रवि शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस को सूचना मिली थी कि भोपाल की ओर से आ रही बोलेरो पिकअप (MP05G7385) में स्नैक्स सामग्री के नीचे अवैध शराब छिपाकर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने गडरिया नाला क्षेत्र में घेराबंदी कर दी।

पुलिस देख वाहन छोड़कर भागा चालक: पुलिस को देखकर चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और रेलवे स्टेशन की ओर भागने लगा। रेलवे स्टेशन के सामने वह बोलेरो छोड़कर झाड़ियों का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया।

स्नैक्स और सब्जी की क्रेटों के नीचे मिली शराब: पंचों की मौजूदगी में वाहन की तलाशी लेने पर स्नैक्स की बोरियों और सब्जी परिवहन क्रेटों के नीचे 1187.28 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने करीब 6,46,248 रुपये कीमत की शराब जब्त की।

वाहन समेत सामग्री भी जब्त: पुलिस ने शराब छिपाने में इस्तेमाल की गई करीब 18 बोरी स्नैक्स सामग्री (करीब 14 हजार रुपये कीमत) और 15 सब्जी परिवहन क्रेट के साथ बोलेरो पिकअप वाहन भी जब्त कर लिया।

आबकारी एक्ट में केस दर्ज: फरार चालक के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी, शराब के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

टेलर फ्रिट्ज ने जोदार को हराकर

करियर का 11वां ATP खिताब जीता

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के स्टार टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज ने वॉशिंगटन डीसी ओपन 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में उन्होंने स्पेन के युवा खिलाड़ी राफेल जोदार को सीधे सेटों में 7-6(2), 6-4 से हराकर करियर का 11वां ATP टूर खिताब जीता। खास बात यह रही कि यह लगभग चार साल बाद ATP 250 से ऊपर के स्तर पर फ्रिट्ज का पहला खिताब है।

बारिश के बाद फ्रिट्ज ने दिखाई दमदार वापसी- बारिश के कारण फाइनल मुकाबला देर से शुरू हुआ, लेकिन दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में शानदार सर्विस गेम दिखाए। पहला सेट टाईब्रेक तक पहुंचा, जहां फ्रिट्ज ने आक्रामक रिटर्न और गहरी ग्राउंडस्ट्रोक्स की बदौलत जोदार से लगातार गलतियां कराई और 7-2 से टाईब्रेक जीतकर बढ़त बना ली।

दूसरे सेट की शुरुआत में ही तीसरी वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर पूरे मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा।

पांचवें मैच प्वाइंट पर जीता खिताब मुकाबले के अंतिम गेम में रोमांच चरम पर था। फ्रिट्ज ने एक ब्रेक प्वाइंट बचाया और आखिरकार पांचवें मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। एक घंटा 49 मिनट तक चले मुकाबले के बाद जीत मिलते ही फ्रिट्ज कोर्ट पर ही भावुक होकर गिर पड़े। इसके बाद उन्होंने उठकर घरेलू दर्शकों का अभिवादन किया। इस जीत के साथ फ्रिट्ज 2008 के बाद वॉशिंगटन ओपन जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 2024 में सेबेस्टियन कोर्डा ने यह खिताब जीता था।

- **TP रैंकिंग में मिला बड़ा फायदा-** इस खिताबी जीत के बाद फ्रिट्ज ATP लाइव रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनका अगला लक्ष्य मॉन्ट्रियल में होने वाला ATP Masters 1000 टूर्नामेंट होगा। फ्रिट्ज इस सीजन ATP टूर का खिताब जीतने वाले ऐसे आठवें खिलाड़ी भी बने हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट के दौरान कम से कम एक मैच प्वाइंट बचाने के बाद ट्रॉफी जीती।
- **19 साल के जोदार ने भी रचा इतिहास-** हालांकि राफेल जोदार फाइनल हार गए, लेकिन उनका प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। 19 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी पहली बार अक्क रैंकिंग के टॉप-20 में पहुंच गए हैं। अप्रैल में उन्होंने मराकेश में अपना पहला TP खिताब जीता था और अब वॉशिंगटन में शानदार प्रदर्शन के बाद अक्कलाइव रेस टू ट्यूरिन में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जोडार का लक्ष्य अब स्टेफानोस सितसिपास और कार्लोस अल्कारेज के बाद ऐसा तीसरा खिलाड़ी बनना है, जो नेक्स्ट जेन ATP फाइनल्स खेलने के अगले ही साल ATP फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करे।
- **फ्रिट्ज ने जोदार की जमकर तारीफ की-** खिताब जीतने के बाद टेलर फ्रिट्ज ने युवा प्रतिद्वंद्वी की तारीफ करते हुए कहा, 'यह बेहद कठिन फाइनल था। तुम शानदार सीजन खेल रहे हो। सिर्फ 19 साल की उम्र में अपने पहले ही टूर सीजन में तुम और तुम्हारे पिता जो काम कर रहे हो, वह अविश्वसनीय है। तुम अभी बहुत युवा हो और आगे और भी बेहतर खिलाड़ी बनोगे।'

अल्जीरिया ने कोच पेटकोविच से नाता तोड़ा

अल्जीयर्स एजेंसी। अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन (एफएएफ) ने आपसी सहमति से नेशनल टीम के कोच व्लादिमीर पेटकोविक और उनके टेक्निकल स्टाफ से कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर लिया है। अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन की ओर से एक बयान में कहा गया कि डेजर्ट फॉक्सेस के इंचार्ज के तौर पर 29 महीनों के दौरान 'उनके प्रोफेशनलिज्म, कमिटमेंट और डेडिकेशन' के लिए पेटकोविक और उनके स्टाफ को धन्यवाद। लोकल सॉकर गवर्निंग बॉडी ने एक बयान में कहा, 'दोनों पार्टियों के बीच आपसी समझौते पर अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन ने घोषणा की है कि नेशनल टीम के हेड कोच, व्लादिमीर पेटकोविक और उनके कोचिंग स्टाफ के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट आज ऑफिशियली खत्म हो गया है।' इसमें आगे कहा गया, 'अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन व्लादिमीर पेटकोविक और उनके स्टाफ के सभी सदस्यों को नेशनल टीम के टेक्निकल स्टाफ के हेड के तौर पर उनके 29 महीनों के दौरान उनके प्रोफेशनलिज्म, कमिटमेंट और डेडिकेशन के लिए दिल से धन्यवाद देता है।'

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम का एलान

टायला व्लामिन्क और डार्सी ब्राउन की वापसी

मेलबर्न एजेंसी। भारत दौरे के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम का एलान कर दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम में डार्सी ब्राउन और टायला व्लामिन्क की काफी लंबे वक्त के बाद वापसी हुई है। 27 वर्षीय टायला व्लामिन्क टी20 वर्ल्ड कप के दौरान कंधे में चोट की वजह से टीम से बाहर चल रही थीं। अब वे पूरी तरह से फिट हो गई हैं। टीम इंडिया के खिलाफ वनडे और टी20 में व्लामिन्क शानदार प्रदर्शन करने को बेताब है। वहीं, 23 वर्षीय डार्सी ब्राउन टी20 वर्ल्ड कप में जगह नहीं बना पाई थीं। लेकिन भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए में उनको जगह मिली है। उनके अनुभव का युवा खिलाड़ियों को फायदा मिलेगा। बता दें कि तीन हफ्तों के इस टूर में न्यू चंडीगढ़ में तीन टी20, मोहाली में तीन एकदिवसीय मुकाबले और धर्मशाला में चार दिन का मैच शामिल है। वनडे मैचों की कप्तानी ताहलिया विल्सन के कंधों पर रहेगी। टी20 मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी निकोल फाल्टम संभालेंगी, जबकि चार दिवसीय मुकाबले में रेचल ट्रेनमैन कप्तानी करेंगी। नेशनल सिलेक्टर शॉन फ्लेगलर ने कहा, 'दोनों ही ग्रुप में इंटरनेशनल खिलाड़ियों के चयन से हमारे कुछ युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखने का अच्छा मौका मिलेगा। फ्लेगलर ने आगे कहा, 'खिलाड़ियों के पास सबकॉन्टिनेंटल कंडीशंस में अनुभव लेने और विपक्षी टीम के खिलाफ खुद को परखने का शानदार मौका है। किसी खिलाड़ी के करियर की शुरुआत के लिए भारतीय कंडीशन में खेलना काफी अच्छा होता है। भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम : डार्सी ब्राउन, मैटलन ब्राउन, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, सियाना जिंजर, चार्ली नॉट, अनिका लियरॉयड, केटी मैक, लिली मिल्स, फ्रेंकी निकलिन, हेली सिल्वर-होम्स, रेचल ट्रेनमैन, कोर्टनी वेब, ताहलिया विल्सन, और टायला व्लामिन्क।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने तंजानिया में ऐतिहासिक टीसीए एरिना का उद्घाटन किया

नई दिल्ली एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दार एस सलाम (यूडीएसएम) में तंजानिया क्रिकेट एसोसिएशन (टीसीए) के नए के नए टीसीए एरिना का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया, जो देश का पहला आईसीसी-मंजूरशुदा क्रिकेट वेन्यू है। इसे तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के विकास के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। शाह ने इसे क्षेत्र में खेल के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम बताया। इस बड़ी उपलब्धि के लिए क्रिकेट तंजानिया को बधाई देते हुए, शाह ने उन सामूहिक प्रयासों की सराहना की जिनकी वजह से देश में वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो पाया है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, 'तंजानिया क्रिकेट एरिना के उद्घाटन पर क्रिकेट तंजानिया को बधाई। यह तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के लिए एक यादगार पल है। देश के पहले आईसीसी-मंजूरशुदा क्रिकेट एरिना, इस शानदार नई सुविधा का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। यह वेन्यू तंजानिया में खेल को आगे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों की सोच, लगन और कड़ी मेहनत का सबूत है। 'जय शाह के साथ टीसीए के चेयरमैन बालकृष्ण श्रीकुमार और 'क्रिकेट लेजेंड्स ऑफ तंजानिया' के संस्थापक व ग्रुप लीडर तथा यूके और यूरोप के लिए चेयरमैन कंट्री कोऑर्डिनेटर कानू राठौड़ भी मौजूद थे। नेशनल हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के तौर पर काम करने वाला यह नया एरिना तंजानिया की पुरुष, महिला और अंडर-19 राष्ट्रीय टीमों के लिए ट्रेनिंग की सुविधा देगा। साथ ही, यह पूरे देश में ग्रासरूट और एलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम को भी बढ़ावा देगा। तंजानिया के क्रिकेट समुदाय के पास अभी 27 समर्पित सुविधाएं हैं और इसे 119 एक्टिव कोच और 75 अंपायर का सहयोग मिल रहा है। साल 2024 से क्रिकेट में भागीदारी 70 प्रतिशत बढ़ी है और एक्टिव खिलाड़ियों की संख्या 1,58,000 से ज्यादा हो गई है। इसमें पुरुष और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग बराबर है, जिसका मुख्य कारण स्कूल-लेवल पर जुड़ाव है। इसमें इस बात से भी मदद मिली है कि तंजानिया ने इस साल के आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया था। हालांकि, स्टेडियम का पहला चरण सिर्फ 16 महीनों में पूरा हो गया था, लेकिन यहां इसी महीने दो इंटरनेशनल टूर्नामेंट होने वाले हैं। शेष इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसमें दर्शकों के स्टैंड और खिलाड़ियों के लिए खास सुविधाएं शामिल हैं।

रविंद्र जडेजा की सोच में आया बड़ा बदलाव

पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले किया खुलासा

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना ??है कि टेस्ट क्रिकेट में रवींद्र जडेजा की सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनका आक्रामक सोच वाला गेंदबाज बनना है। उन्होंने कहा कि यह ऑलराउंडर अब सिर्फ रन रोकने के बजाय विकेट लेने के इरादे से हर गेंद फेंकता है। श्रीलंका के खिलाफ भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले पुजारा ने कहा कि हाल के सालों में जडेजा की सोच में काफी बदलाव आया है जिससे वह टेस्ट क्रिकेट (सबसे लंबे फॉर्मेट) में और भी खतरनाक गेंदबाज बन गए हैं। दो मैचों की यह सीरीज 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होगी जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। पुजारा ने जियो स्टार से कहा, 'पहले, जब रवींद्र जडेजा गेंदबाजी करते थे तो उनकी सोच ज्यादा रन न देने की होती थी, खासकर रेड-बॉल क्रिकेट में। अगर पिच से थोड़ी मदद मिलती थी, तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर पिच गेंदबाजों के अनुकूल नहीं होती थी, तो उनका ध्यान रन रोकने पर होता था। लेकिन अब, उन्होंने अपनी ताकत को समझ लिया है और उसी के हिसाब से गेंदबाजी कर रहे हैं। हर मैच में वह स्टंप्स की लाइन में गेंद डालने और बल्लेबाज को आउट करने की कोशिश कर रहे हैं।' पुजारा ने बताया कि इस बाएं हाथ के स्पिनर का नजरिया अब ज्यादा आक्रामक हो गया है जिससे वह कंट्रोल बनाए रखते हुए अलग-अलग एंगल और वेरिएशन आजमा सकते हैं। उन्होंने समझाया, 'पहले उनकी सोच थोड़ी ज्यादा डिफेंसिव थी, लेकिन अब वह हर गेंद विकेट लेने के मकसद से फेंकते हैं। ऐसे में आप अपने खेल के बारे में थोड़ा ज्यादा सोचते हैं। आप क्रीज का बेहतर इस्तेमाल करते हैं, वाइड एंगल से गेंद डालने की कोशिश करते हैं और बल्लेबाज के हिसाब से अपनी लेंथ बदलते हैं। खेल के लिए यह मानसिक बदलाव बहुत जरूरी है।' जडेजा लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। इस अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर को इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान कोहनी में चोट लग गई थी।

पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले मिला नया बैटिंग कोच, पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर को किया नियुक्त

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने एक बयान में पुष्टि की है कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर और कोच माइकल स्मिथ को पाकिस्तान पुरुष टीम का बैटिंग कोच नियुक्त किया गया है। स्मिथ रेड-बॉल और व्हाइट-बॉल दोनों फॉर्मेट में टीम के साथ काम करेंगे। ICC के अनुसार 46 वर्षीय स्मिथ ने 2003 से 2013 के बीच 89 फर्स्ट-क्लास मैच, 72 लिस्ट- मैच और 16 टी20 मैच खेले हैं। स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) में इस्लामाबाद यूनाइटेड और कराची किंग्स के कोचिंग स्टाफ के साथ काम किया है और इस सीजन की शुरुआत में मुल्तान सुल्तान्स के असिस्टेंट कोच भी रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की होबार्ट हरिकेन्स और क्रिकेट तस्मानिया के साथ बैटिंग कोच के तौर पर भी काम किया है और दक्षिण अफ्रीका की KZN इनलैंड और ईस्टर्न प्रोविंस के लिए कोचिंग कंसल्टेंट भी रहे हैं। दो साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किए गए स्मिथ 19 अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले एशियाई टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

नॉर्थ जोन की टीम का ऐलान, अर्शदीप-कांबोज भी टीम में शामिल

नई दिल्ली एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2026 के लिए नॉर्थ ज़ोन ने अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान जम्मू-कश्मीर के 24 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कनहैया वधावन को सौंपी गई है। वहीं, भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और अंशुल कांबोज को भी टीम में जगह मिली है। दिल्ली के बल्लेबाज आयुष बदोनी को उपकप्तान बनाया गया है।

कनहैया वधावन को मिली कप्तानी की जिमेदारी

नॉर्थ ज़ोन चयन समिति ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए कनहैया वधावन को कप्तान नियुक्त किया है। वधावन के अलावा जम्मू-कश्मीर के सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल, ऑलराउंडर अब्दुल समद, बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक और तेज गेंदबाज सुनील कुमार व युधवीर सिंह भी टीम में शामिल किए गए हैं। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक खिताबी जीत के बाद राज्य के छह खिलाड़ियों को इस टीम में मौका मिला है।

- **अर्शदीप और कांबोज पर भी चयनकर्ताओं का भरोसा-** भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, जिन्हें इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम में चुना गया था लेकिन डेब्यू का मौका नहीं मिला, अब दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ ज़ोन की ओर से खेलेंगे। वहीं, हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कांबोज, जिन्होंने पिछले साल मैनचेस्टर में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया था, उन्हें भी टीम में जगह दी गई है।
- **युवा खिलाड़ियों को प्राथमिकता-** चयनकर्ताओं ने अनुभवी पारस डोगरा की बजाय युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है। इसी वजह से आयुष बदोनी को उपकप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी टीम का हिस्सा नहीं होंगे क्योंकि उन्हें भारत की श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में चुना गया है।

'मैंने उन्हें सिर्फ एक बार गुस्से में देखा'

पंजाब किंग्स के पूर्व कोच ने बताया KL राहुल से जुड़ा किस्सा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने बताया कि जब KL राहुल IPL टीम पंजाब किंग्स (PBKS) के साथ थे, तो टीम के खराब प्रदर्शन पर उन्हें गुस्सा आता था। उन्होंने कहा कि मैच जीतने की स्थिति में होने के बावजूद हारने और करीबी अंतर से हारने पर यह बल्लेबाज 'बहुत ज्यादा निराश' हो जाता था। राहुल ने 2018 से 2021 तक PBKS का प्रतिनिधित्व किया और 2018-21 के दौरान टीम के कप्तान रहे। इस दौरान जाफर 2019-21 तक PBKS के हेड कोच थे। टीम के साथ राहुल के 2020 और 2021 सीजन बहुत अच्छे रहे, उन्होंने 2020 सीजन में 14 पारियों में 55.83 की औसत और 129.34 के स्ट्राइक रेट से 670 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीती जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल थे। हालांकि कप्तान के तौर पर उनके दोनों सीजन में PBKS आठ टीमों में छठे स्थान पर रही। दूरदर्शन पर 'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो' में बात करते हुए जाफर ने फ्रैंचाइजी के साथ अपने कोचिंग के समय की कुछ अंदर की बातें बताई। एक लीडर के तौर पर चरु राहुल के बेहद शांत स्वभाव का जिक्र करते हुए जाफर ने बताया कि कैसे पंजाब के IPL मैचों के बेहद करीबी और तनावपूर्ण नतीजों के दौरान इस बल्लेबाज का आम तौर पर शांत रहने वाला स्वभाव कभी-कभी बहुत ज्यादा निराशा में बदल जाता था। उन्होंने कहा, KL स्वभाव से बहुत शांत और थोड़े कम बोलने वाले इंसान हैं और ज्यादातर अपने में ही रहते हैं। आप उन्हें ज्यादा बाहर घूमते-फिरते नहीं देखेंगे, क्योंकि वे ज्यादातर अपने करीबी दोस्तों के साथ ही घुलते-मिलते हैं। उन्हें मैदान पर या मैदान के बाहर आपा खोते या साफ तौर पर गुस्सा करते हुए देखना बहुत दुर्लभ है।' इसके बाद जाफ़र ने चरु की कप्तानी में टीम की करीबी हार को याद किया, जिससे ओपनिंग बल्लेबाज निराश हो जाते थे; हालांकि उन्होंने 'कुछ भी गलत या बुरा' नहीं कहा, फिर भी वे 'थोड़े गुस्से में' जरूर थे। उन्होंने कहा, 'जब मैं पंजाब का बैटिंग कोच था, तो हर मैच दिल तोड़ने वाला लगता था। हम जीत की स्थिति में होने के बावजूद मैच हार रहे थे और लगभग हर मैच आखिरी ओवर तक खिंच जाता था। ऐसी ही एक करीबी हार के बाद एक ऐसा मैच जिसे हमें आसानी से जीतना चाहिए था मैंने उन्हें पहली बार सचमुच गुस्सा होते देखा। उन्होंने कुछ गलत नहीं कहा, लेकिन आप देख सकते थे कि हमारे खराब खेल से वे कितने निराश थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 128 आवेदकों की समस्याएं, अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

भूमि विवाद, बिजली-पानी, पेंशन, आवास और राजस्व मामलों से जुड़े आवेदन पहुंचे, कलेक्टर ने गंभीरता से सुनीं शिकायतें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 128 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड में सुधार, सिंचाई सुविधाओं, बिजली आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है, इसलिए सभी विभागीय अधिकारी प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करें और निर्धारित समय सीमा में निराकरण की जानकारी उपलब्ध कराएं जनसुनवाई के दौरान कई आवेदकों ने राजस्व संबंधी मामलों को लेकर अपनी शिकायतें रखीं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने जमीन संबंधी विवाद, नामांतरण, सीमांकन और रिकॉर्ड सुधार जैसे मामलों के समाधान की मांग की वहीं कई नागरिकों ने बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी अधिकारियों के समक्ष रखीं इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पेंशन नहीं मिलने, छात्रवृत्ति में आ रही समस्याओं और आवास योजना शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए प्रशासन द्वारा आयोजित इस जनसुनवाई में अधिकारियों ने नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया जिला प्रशासन ने कहा कि जनसुनवाई की व्यवस्था के माध्यम से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिलता है और इन शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा भी की जाती है का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन भी प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को लंबित न रखा जाए और सभी प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आवेदकों को राहत पहुंचाई जाए प्रशासन का उद्देश्य है कि शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे।

जसो में युवक की मौत के बाद बवाल, कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं के बीच कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं जसो थाना क्षेत्र के अमकुई गांव में लापता युवक का शव मिलने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश भड़क गया। गुस्साए लोगों ने डायल-112 वाहन का घेराव कर पुलिस बल पर पथराव किया और वाहन में तोड़फोड़ कर दी घटना की जानकारी मिलते ही नागौद एसडीओपी रघु केशरी मौके पर पहुंचे उचेहरा और नागौद थाने से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागौद भेजा बाद में परिजन एसडीओपी कार्यालय पहुंचे और आरोपियों के बयान अपने सामने कराने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए ग्रामीणों का आरोप है कि युवक के लापता होने के बाद संदिग्ध से पुलिस ने सामान्य पूछताछ कर उसे छोड़ दिया था, जिसके बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई प्रारंभिक जांच में मृतक और संदिग्ध के बीच युवती को लेकर विवाद की बात सामने आई है पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है घटना के बाद जिले के कई महत्वपूर्ण थानों में स्थायी थाना प्रभारी नहीं होने का मुद्दा भी चर्चा में आ गया है। जसो, कोटर और जैतवारा जैसे थाने लंबे समय से नियमित टीआई के बिना संचालित होने की बात सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी की कमी से पुलिस व्यवस्था प्रभावित हो रही है हालांकि पुलिस विभाग ने हालिया घटनाओं और थाना प्रभारी की कमी के बीच किसी सीधा संबंध की पुष्टि नहीं की है अधिकारियों का कहना है कि मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बारिश में तालाब बना शासकीय हाई स्कूल तिलौरा परिसर, पानी से होकर गुजर रहे छात्र-छात्राएं

जल निकासी व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी, प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत तिलौरा स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में थोड़ी सी बारिश के बाद जलभराव की समस्या सामने आ गई है स्कूल परिसर में पानी भर जाने से छात्र-छात्राओं को मजबूरी में पानी से होकर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है इससे विद्यार्थियों को परेशानी के साथ-साथ सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी खतरे का भी सामना करना पड़ रहा है विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि परिसर में जल निकासी की समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों को अवगत कराया गया लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया शिक्षकों का कहना है कि स्कूल परिसर में लाखों रुपये खर्च कर पेवर ब्लॉक लगाए गए हैं लेकिन बारिश के पानी की निकासी के लिए नालियों या अन्य व्यवस्थाओं का निर्माण नहीं किया गया जिसके कारण हर बारिश में परिसर तालाब जैसा दिखाई देने लगता है जलभराव के कारण विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है अभिभावकों ने भी इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बच्चों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है जिससे संक्रमण और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा के लिए आने वाले बच्चों को इस तरह की समस्या झेलना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय परिसर की जल निकासी व्यवस्था को जल्द दुरुस्त कराया जाए और समस्या का स्थायी समाधान किया जाए ग्रामीणों ने कहा कि स्कूल बच्चों के भविष्य निर्माण का केंद्र है, इसलिए यहां मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी नहीं होनी चाहिए प्रशासन से अपेक्षा है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अमर ज्योति सतना की प्रेरणा से छतरपुर में 90वां नेत्रदान संपन्न, दो लोगों के जीवन में लौटेगा उजाला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अमर ज्योति नेत्रदान संस्था सतना के निरंतर जनजागरूकता अभियान से प्रेरित होकर छतरपुर में एक और प्रेरणादायक नेत्रदान संपन्न हुआ। निधन के बाद परिजनों ने अपने प्रियजन का नेत्रदान कर मानवता और सेवा भावना की मिसाल पेश की इस पुनीत कार्य से दो नेत्रहीन लोगों के जीवन में नई रोशनी आने की संभावना बनी है अमर ज्योति नेत्रदान के संयोजक मनोहर डिगवानी ने बताया कि छतरपुर निवासी राजेंद्र अग्रवाल का 3 अगस्त को निधन हो गया था। निधन के बाद संस्था के सक्रिय सदस्य हरिओम अग्रवाल की प्रेरणा से पुत्र अमर अग्रवाल अजय अग्रवाल एवं चाचा हरि अग्रवाल ने अपने पूज्य पिताश्री का नेत्रदान कराने का निर्णय लिया विशेषज्ञ चिकित्सकों और नेत्रदान दल द्वारा पूरी प्रक्रिया सम्मानपूर्वक संपन्न कराई गई। संस्था ने अग्रवाल परिवार के इस संवेदनशील निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है अमर ज्योति परिवार के सदस्य विनोद गेलानी ने कहा कि नेत्रदान वास्तव में महादान है व्यक्ति के संसार से विदा होने के बाद भी उसकी आंखें दो लोगों के जीवन में प्रकाश ला सकती हैं उन्होंने बताया कि संस्था पिछले 13 वर्षों से नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रही है जिसके सकारात्मक परिणाम सतना सहित अन्य जिलों में भी देखने को मिल रहे हैं उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि वे स्वयं नेत्रदान का संकल्प लें और अपने परिवारों को भी इस महान सेवा कार्य के लिए प्रेरित करें संस्था के अनुसार नेत्रदान केवल आंखों का दान नहीं बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और नई रोशनी देने का माध्यम है अमर ज्योति नेत्रदान परिवार ने राजेंद्र अग्रवाल के परिजनों के सेवा भाव की प्रशंसा करते हुए इसे समाज में मानवता और संवेदनशीलता का प्रेरक उदाहरण बताया।

अगस्त-सितंबर का राशन एकमुश्त मिलेगा, 31 अगस्त तक वितरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पात्र हितग्राहियों को राहत देते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अगस्त और सितंबर माह की राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण करने के निर्देश जारी किए हैं। उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से दोनों महीनों का राशन 31 अगस्त तक हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जाएगा मंत्री राजपूत ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राशन सामग्री का शत-प्रतिशत उठाव 15 अगस्त तक पूरा कर सभी उचित मूल्य दुकानों में पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि हितग्राहियों को समय पर राशन मिल सके अंत्योदय और प्राथमिकता परिवारों को मिलेगा निर्धारित राशन निर्देशों के अनुसार, अंत्योदय अन्न योजना के परिवारों को प्रति परिवार 35 किलोग्राम राशन दिया जाएगा, जिसमें गेहूं और चावल शामिल हैं। वहीं प्राथमिकता परिवार श्रेणी के हितग्राहियों को प्रति सदस्य 5 किलोग्राम राशन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा दोनों श्रेणियों के परिवारों को एक किलोग्राम नमक प्रति परिवार दिया जाएगा राशन वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पीओएस मशीन में अगस्त और सितंबर माह की सामग्री वितरण के दौरान दो बार बायोमेट्रिक सत्यापन कराया जाएगा जीपीएस से होगी परिवहन की निगरानी खाद्य विभाग ने मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के तहत अनुबंधित परिवहनकर्ताओं के माध्यम से उचित मूल्य दुकानों तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं राशन परिवहन की निगरानी जीपीएस प्रणाली के माध्यम से की जाएगी।

आईआईटी मंडी के प्रयास 4.0 में एकेएस विश्वविद्यालय के छात्र अमृतांशु ओझा का उत्कृष्ट प्रदर्शन, पदक से सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एकेएस विश्वविद्यालय सतना के बी.टेक. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग) के छात्र अमृतांशु ओझा ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी के सेंटर फॉर कंटीन्यूइंग एजुकेशन द्वारा आयोजित एक माह के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रयास 4.0 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है आईआईटी मंडी में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान और कौशल को विकसित करना था प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को तकनीकी सत्रों, प्रायोगिक गतिविधियों और परियोजना आधारित शिक्षण के माध्यम से नवीन तकनीकों की जानकारी दी गई अमृतांशु ओझा ने अपनी तकनीकी क्षमता, मेहनत और बेहतर प्रदर्शन के बल पर कार्यक्रम में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया उनकी उपलब्धि के लिए उन्हें पदक और उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया यह उपलब्धि न केवल छात्र की व्यक्तिगत सफलता है बल्कि एकेएस विश्वविद्यालय में दी जा रही गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और नवाचार आधारित अध्ययन का भी प्रमाण है अमृतांशु की इस उपलब्धि पर एकेएस विश्वविद्यालय के चेयरमैन इंजीनियर अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो. बी. ए. चोपड़े, कंप्यूटर संकाय के डीन डॉ. अखिलेश ए. वाऊ, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर गौतम कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद सिंह सहित संकाय के सभी शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर के मंच उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं अमृतांशु ओझा की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है शिक्षकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और तकनीकी क्षेत्र में निरंतर सफलता की कामना की।

बोनान्जा में भव्य अलंकरण समारोह, 75 मेधावी छात्र-छात्राओं को मिला स्टार अवार्ड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बोनान्जा का. हा. स्कूल में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान के लिए बोनान्जा स्टार अवार्ड सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया समारोह में विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्साहपूर्वक सम्मान किया गया कार्यक्रम में पालक और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व जे.डी. रीवा अंजनी कुमार त्रिपाठी रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. वीके गांधी, सुजाता साबू और रुचि अरोरा उपस्थित रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया बोर्ड परीक्षा में कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया कक्षा 6वीं से 12वीं तक के मेधावी छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं डायरेक्टर दिलीप अरोरा द्वारा स्टार बैच, मोमेंटो और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया वहीं नर्सरी से कक्षा 5वीं तक सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को चेयरपर्सन गौरव अरोरा और प्राचार्या रश्मि वास्तव ने स्टार बैच एवं मोमेंटो प्रदान किए समारोह में करीब 75 मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक नृत्य और गीतों ने समारोह को सांस्कृतिक रंग प्रदान किया डॉ. वीके गांधी एवं अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों के अनुशासन, सामान्य ज्ञान और प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने बोनान्जा स्कूल को सतना के शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाला संस्थान बताया कार्यक्रम का संचालन मैडम नित्या दुबे, छात्र देवांश सिंह, देवांश तिवारी, अक्षिता तिवारी और नेहा मिश्रा ने किया आभार प्रदर्शन मैडम शारदा उरमलिया ने किया। समारोह की सजावट में सा वास्तव, प्रिंसी सिंह और रीतू सिंह का विशेष योगदान रहा कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं स्टॉफ की भूमिका सराहनीय रही।

मैहर जनसुनवाई में पहुंचे 62 आवेदन, अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के दिए निर्देश

नागरिकों की समस्याओं का समाधान और लोक सेवाओं की उपलब्धता जिला प्रशासन की प्राथमिकता

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय सभागृह में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी के निर्देशन में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सुश्री संजना जैन ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों से संबंधित कुल 62 आवेदन प्रस्तुत किए। अपर कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। लोगों ने अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन दिए। प्रशासनिक अधिकारियों ने आवेदकों की बात सुनते हुए उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए अपर कलेक्टर सुश्री संजना जैन ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए केवल औपचारिक कार्रवाई न करें बल्कि मौके की स्थिति को देखते हुए प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें उन्होंने कहा कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए जनसुनवाई में एसडीएम दिव्या पटेल डिप्टी कलेक्टर सुश्री आशिमा पटे, महिला एवं बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे जिला प्रशासन द्वारा नियमित रूप से आयोजित की जा रही जनसुनवाई व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है प्रशासन का उद्देश्य है कि शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे तथा जनसमस्याओं का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

प्रदेश भर में 9 से 17 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने हर घर तिरंगा अभियान 2026 के व्यापक एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में यह अभियान 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक पूरे प्रदेश में जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा जारी निर्देशों में कहा गया है कि हर घर तिरंगा अभियान को जन-आंदोलन का रूप देते हुए प्रत्येक नागरिक को इससे जोड़ना सुनिश्चित किया जाए। अभियान का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करना है इस वर्ष अभियान को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उत्सव के साथ जोड़ा गया है। सभी शासकीय एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन अनिवार्य रूप से किया जाएगा निर्देशानुसार जहां राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों प्रस्तुत हों वहां पहले वंदे मातरम और उसके बाद जन गण मन का गायन किया जाएगा इस दौरान सभी अधिकारी कर्मचारी एवं नागरिक सम्मानपूर्वक सावधान मुद्रा में खड़े रहेंगे अभियान के दौरान प्रदेश भर में तिरंगा रैली तिरंगा यात्रा, बाइक एवं साइकिल रैली, तिरंगा मेला, तिरंगा कॉन्सर्ट रंगोली, प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, तिरंगा सजावट एवं प्रकाश व्यवस्था जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे साथ ही सैन्य बलों एवं पुलिसकर्मियों के सम्मान में पत्र लेखन अभियान भी चलाया जाएगा जिससे देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।